04 - क्या दलीय लोकतंत्र से आगे कोई रास्ता नहीं है ?

05 - सोशल मीडिया में डूब जाना सामाजिक होने की गारंटी नहीं

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024

06 - बारिश का पानी भरने से परेशान महावीर वार्ड के रहवासी

07- धरती पर होती है अमृत वर्षा का दिन

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-48 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

हरियाणा : कांग्रेस की हार का कारण- बागी, निर्दलीय व इंडिया ब्लॉक के साथी

सौरव रॉय बर्मन

राज्य के चुनावी नतीजों का विश्लेषण दिखाता है कि अगर हरियाणा विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक एकजुट रहता, तो भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) 46 सीटों के बहुमत के आंकड़े से चूक सकती थी। आम आदमी पार्टी (आप) के चार उम्मीदवारों और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के एक उम्मीदवार को कांग्रेस उम्मीदवारों के हार के अंतर से ज़्यादा वोट मिले। अगर ये उम्मीदवार मैदान में नहीं होते तो भाजपा की सीटें 48 से घटकर 44 रह जातीं।

कांग्रेस ने हरियाणा के नतीजों को खारिज करते हुए इसे 'जोड़-तोड़ और छल-कपट' का नतीजा बताया है, लेकिन पार्टी को इससे नुकसान भी हुआ है, वह है मजबूत निर्दलीय उम्मीदवारों का समूह, जिसमें कम से कम दो कांग्रेस के बागी और पार्टी से पहले से जुड़े कई चेहरे शामिल हैं। कांग्रेस के एक तीसरे बागी ने जीत दर्ज की। पार्टी द्वारा टिकट नहीं दिए जाने के बाद बहादुरगढ़ सीट से निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ने वाले राजेश जून ने 41 हजार 999 वोटों से शानदार जीत दर्ज की। बुधवार को जून भाजपा में शामिल हो गए।

कांग्रेस को कुछ हद तक अपने सहयोगी दल आप के कारण भी नुकसान उठाना पड़ा, जिसने भले ही 1.79 प्रतिशत वोट हासिल किए हों, लेकिन तीन सीटों पर इतने वोट हासिल किए कि भाजपा आगे निकल गई और इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) को एक सीट पर जीत मिली। आईएनएलडी ने खुद तीन सीटों पर कांग्रेस का खेल बिगाड़ा।

'राजनीतिक विश्लेषक असीम अली ने बताया कि कांग्रेस और भाजपा को समान वोट शेयर मिले हैं– क्रमशः 39.09 प्रतिशत और 39.94 प्रतिशत– औसत वोट शेयर के मामले में, जो वोट शेयर को उन अपवादों से घटाता है जहां जीत और हार का अंतर बहुत अधिक है, भाजपा को बढ़त मिली है। उस कोण से देखा जाए तो भाजपा ने कांग्रेस पर पांच प्रतिशत अंकों की बढ़त हासिल की। इसका मतलब है कि निर्दलीय और आईएनएलडी और बीएसपी ने स्पष्ट रूप से एक कारक की भूमिका निभाई और स्वाभाविक रूप से भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट द्वारा संचालित कांग्रेस का टिकट वितरण सवालों के घेरे में आएगा। परिणामस्वरूप असंतोष हुआ और इनमें से कुछ चेहरों ने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला किया।'

उदाहरण के लिए अंबाला कैंट में, भाजपा के अनिल विज ने जीत हासिल की, लेकिन कांग्रेस की बागी चित्रा सरवारा, जिन्हें पार्टी ने निष्कासित कर दिया था, 7,277 वोटों के अंतर से हारकर दूसरे स्थान पर रहीं। कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार पलविंदर पाल पारी विज से 45 हजार से अधिक वोट पीछे तीसरे स्थान पर रहे।

कांटे की टक्कर वाले चुनावों में 11 सीटों पर जहां कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही, वहीं तीसरे स्थान पर रहे निर्दलीय उम्मीदवार को पार्टी की हार के अंतर से अधिक वोट मिले। ये सीटें हैं कालका, दादरी, महेंद्रगढ़, तोशाम, सोहना, समालखा, सफीदों, रानिया, राई, बाढड़ा और उचाना कलां, लेकिन इन उम्मीदवारों के बिना कांग्रेस को आसानी से बहुमत मिल जाता। इन उम्मीदवारों में सोमवीर घसोला और वीरेंद्र घोघरियां कांग्रेस द्वारा टिकट न दिए जाने के बाद बतौर निर्दलीय मैदान में उतरे। वह पिछले महीने 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के लिए निष्कासित किए गए 10 नेताओं में से थे।

घसोला ने बाढड़ा से चुनाव लड़ा और उन्हें 26,730 वोट मिले। इस सीट के लिए कांग्रेस उम्मीदवार सोमवीर सिंह 7,585 वोटों के अंतर से हार गए। घोघरियां उचाना कलां से मैदान में उतरे, जहां कांग्रेस के बृजेंद्र सिंह 32 वोटों से हार गए। सोहना में, जावेद अहमद, जिन्होंने 2019 का विधानसभा चुनाव बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर लड़ा था और बाद में आप में शामिल हो गए थे, ने निर्दलीय चुनाव लड़ा और उन्हें 49,210 वोट मिले। कांग्रेस 11,877 वोटों के अंतर से निर्वाचन क्षेत्र हार गई।

समालखा में निर्दलीय लड़े रवींद्र मच्छरौली, जिन्होंने 2014 में सीट जीती थी और कुछ समय के लिए भाजपा में रहे थे, को भी 21,132 वोट मिले। कांग्रेस 19,315 वोटों से सीट हार गई। सफीदों में जहां कांग्रेस 4,037 वोटों से हारी, एक प्रमुख जाट चेहरा जसबीर देसवाल, जिन्होंने 2014 में निर्दलीय विधायक के रूप में सीट जीती थी, 20,014 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे. इन 11 सीटों में से दो, रानिया और उचाना कलां, पर तो आप उम्मीदवारों को कांग्रेस की हार के अंतर से भी ज़्यादा वोट मिले और इन 11 में से दो अन्य सीटों पर तो बसपा को कांग्रेस की हार के अंतर से भी ज़्यादा वोट मिले। आप ने डबवाली और असंध सीटों पर भी कांग्रेस का खेल बिगाड़ा।

दूसरे शब्दों में अगर कांग्रेस आप के साथ गठबंधन में लड़ती, तो वह अपनी सीटों की संख्या बढ़ा सकती थी और 46 के जादुई आंकड़े के करीब पहुंच सकती थी। कांग्रेस को 37 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा ने 48 सीटें जीतकर हरियाणा में अब तक की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इनेलो को दो और निर्दलियों को तीन सीटें मिलीं। तीन सीटों- बरवाला, नरवाना और यमुनानगर- में इनेलो उम्मीदवारों को कांग्रेस उम्मीदवारों के हार के अंतर से ज़्यादा वोट मिले, जो दूसरे स्थान पर रहे। असंध निर्वाचन क्षेत्र में बसपा उम्मीदवार को 27,396 वोट मिले, जो कांग्रेस के हार के अंतर 2,306 से कहीं ज़्यादा है।

छह सीटें ऐसी भी हैं, जहां इनेलो उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे, जहां उन्हें भाजपा के हार के अंतर से ज़्यादा वोट मिले और दो-दो सीटों पर भाजपा की हार का अंतर बसपा, आप और निर्दलीय उम्मीदवारों को मिले वोटों से कम था, लेकिन यह संभावना नहीं है कि इन सीटों पर इनेलो, बसपा और आप का समर्थन करने वालों की भाजपा दूसरी पसंद रही होगी। दूसरी ओर, इन पार्टियों के उम्मीदवारों की अनुपस्थिति में कांग्रेस को फायदा मिला होगा। चुनावों से पहले, कांग्रेस और आप के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत विफल हो गई। दूसरी ओर, आईएनएलडी को जाटों से समर्थन मिलता है, एक ऐसा समुदाय जिस पर कांग्रेस अपनी संख्या बढ़ाने के लिए बहुत अधिक निर्भर थी।

असंध में, बसपा, निर्दलीय और आप के अलावा, जो संभवतः कांग्रेस के वोटों में सेंध लगाते हैं, एनसीपी (एसपी) के हरियाणा अध्यक्ष वीरेंद्र वर्मा ने भी इसी तरह की भूमिका निभाई, उन्होंने सीट पर 4,218 वोट जीते, जो 2,306 वोटों से भाजपा के पक्ष में तय हुआ। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने भी एक सीट (डबवाली) पर कांग्रेस के लिए खेल बिगाड़ा। वोट शेयर की बात करें तो, निर्दलीयों को 11 प्रतिशत से अधिक वोट मिले, इनेलो को 4.14 प्रतिशत, बसपा को 1.82 प्रतिशत, जबकि आप को, जैसा कि पहले बताया गया है, 1.79 प्रतिशत वोट मिले।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

महाराष्ट्र और झारखंड में बज गया चुनावी बिगुल

- **इलेक्शन कमीशन ने किया चुनावी तारीखों का ऐलान,साथ में 47 सीटों पर उपचुनाव भी**
- **महाराष्ट्र में एक और झारखंड में 2 चरणों में होंगे चुनाव,23 नवंबर को आएंगे सभी नतीजे**

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्शन कमीशन ने मंगलवार को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ 47 विधानसभा और 2 संसदीय क्षेत्रों में चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को और झारखंड में 2 फेज में चुनाव होंगे। पहले फेज में 13 नवंबर को और दूसरे फेज में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। रिजल्ट 23 नवंबर को आएंगे। 47 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी 2 फेज में होगा। 47 विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर वोटिंग 13 नवंबर को की जाएगी। एक विधानसभा और एक लोकसभा सीट

पर 20 नवंबर को मतदान होगा। नतीजे भी 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को, वहीं झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। झारखंड में फर्स्ट टाइम वोटर्स 11.84 लाख बढ़े हैं। सीईसी राजीव कुमार ने बताया कि झारखंड में 24 जिले और 81 विधानसभा सीटें हैं। 5 जनवरी 2025 को टर्म पूरा हो रहा है। 2.6 करोड़ वोटर्स हैं।

काउंटिंग ही साढ़े आठ बजे शुरू होती है तो आठ बजे कैसे बताने लगते हैं लीड

- **फर्जी ट्रेंड दिखाने पर भड़के सीईसी राजीव कुमार**

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र, झारखंड विधानसभा चुनाव समेत देशभर के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले उपचुनाव की घोषणा कर दी है। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने नतीजों से एक दिन पहले आने वाले एग्जिट पोल पर भी बात की और इसे 'नॉनसेंस' तक कह दिया। उन्होंने मीडिया का जिक्र करते हुए कहा कि मीडिया और खासतौर पर इलेक्ट्रोनिक मीडिया को इस पर ध्यान देना चाहिए की जब काउंटिंग की समय शुरू होता है वह 8 बजकर पांच मिनट से, दस मिनट से रिजल्ट दिखाना शुरू कर देते हैं, यह नॉनसेंस' है। उन्होंने कहा कि आधिकारिक तौर पर पहली काउंटिंग साढ़े आठ बजे शुरू होती है, लेकिन 8.05, 8.15 पर आने लगता है कि इतने की लीड, इतने की लीड, इतने की लीड, जबकि हम शुरुआती परिणाम को साढ़े नौ बजे बेवसाइट पर डालते हैं।

एससीओ समिट में भाग लेने विदेश मंत्री एस जयशंकर इस्लामाबाद पहुंचे

- **9 साल बाद पाकिस्तान जाने वाले पहले नेता; नवाज बोले-मोदी आते तो अच्छा होता**

इस्लामाबाद (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर एससीओ की बैठक के लिए पाकिस्तान पहुंच गए हैं। यहां छोटी बच्चियों ने फूल देकर उनका स्वागत किया।

वे 9 साल में पाकिस्तान जाने वाले पहले भारतीय नेता हैं। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने एक इंटरव्यू में कहा था- एससीओ की मीटिंग में शामिल होने अगर मोदी आते तो ज्यादा अच्छा होता, मुझे उम्मीद है कि मैं उनसे जल्द मुलाकात करूंगा। दरअसल, पाकिस्तान ने अगस्त में प्रधानमंत्री मोदी को एससीओ का न्योता भेजा था, लेकिन दोनों देशों के बीच खराब रिश्तों के चलते विदेश मंत्री एस जयशंकर इस बैठक में शामिल हुए हैं।

जयशंकर पहले ही कह चुके हैं कि पाकिस्तान जाने का इकलौता मकसद एससीओ है, वे दोनों देशों के रिश्तों पर चर्चा नहीं करेंगे।

बुधनी-विजयपुर सीट पर 13 नवंबर को वोटिंग

23 को उपचुनाव के नतीजे, बुधनी में रमाकांत-कार्तिकेय मजबूत दावेदार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के दो सीटों बुधनी और विजयपुर पर होने वाले उपचुनाव की तारीखों का ऐलान चुनाव आयोग ने कर दिया। मुख्य चुनाव आयोग ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के साथ मप्र की इन दोनों सीटों के लिए भी चुनाव की तारीखों की घोषणा की है। विजयपुर और बुधनी में 13 नवंबर को मतदान होगा और नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।दोनों सीटों के लिए नामांकन 18 से 25 अक्टूबर तक किए जा सकेंगे। स्क्रूटनी 28 अक्टूबर को होगी। वहीं, 30 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

विजयपुर सीट से वन मंत्री रामनिवास रावत का नाम बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर तय है। वहीं, बुधनी के लिए प्रदेश चुनाव समिति ने पांच नामों का पैनल दिल्ली भेजा है। माना जा रहा है कि पूर्व सांसद रमाकांत भार्गव और वन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष गुरु प्रसाद शर्मा में से किसी एक को टिकट मिल सकता है। दोनों ही केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के करीबी हैं। हालांकि पैनल में उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम भी है। कार्तिकेय के साथ संगठन की तरफ से बुधनी भाजपा मंडल अध्यक्ष आशा राम यादव का नाम भी शामिल किया गया है। कांग्रेस की बात करें तो दोनों सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर मंथन चल रहा है।

करण सिंह वर्मा और रामपाल को बुधनी का प्रभार

भाजपा संगठन ने राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा को बुधनी विधानसभा सीट का प्रभारी और पूर्व मंत्री रामपाल सिंह को सह प्रभारी बनाया गया है। ये नेता दोनों क्षेत्र में प्रवास कर रहे हैं। इस सीट पर भाजपा का फोकस बूथ स्तर पर वोट प्रतिशत बढ़ाने पर हैं।

बुधनी में अरुण यादव को उपचुनाव की कमान

बुधनी में उप चुनाव के लिए कांग्रेस ने पूर्व मंत्री अरुण यादव को संयोजक बनाया है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और पूर्व विधायक शैलेंद्र पटेल को इस समिति में सदस्य बनाया है। बुधनी विधानसभा में कांग्रेस के सामने एक मजबूत टिकाऊ चेहरा खोजना सबसे बड़ी चुनौती है। शिवराज सिंह चौहान के प्रभाव वाली बुधनी में कांग्रेस के पास फिलहाल कोई मजबूत चेहरा नहीं हैं। ऐसे में कांग्रेस यहां दमदार और असरदार उम्मीदवार खोज रही है।

बुधनी सीट पर तीसरा उपचुनाव

बुधनी में ये तीसरा उपचुनाव है। इससे पहले 1991 में शिवराज सिंह चौहान ने विधायक रहते विदिशा से सांसद का चुनाव लड़ा था। सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने विधानसभा सीट से इस्तीफा दिया था। 1992 में यहां से मोहन लाल शिशिर उपचुनाव जीते थे। इसके बाद दूसरा उपचुनाव 2005 में हुआ था। शिवराज मप्र के मुख्यमंत्री बने थे। तब यहां से विधायक चुने गए राजेंद्र सिंह राजपूत ने उनके लिए सीट खाली की थी।

अयोध्या में एयर इंडिया के विमान में बम की सूचना

- **जयपुर से 139 यात्रियों को लेकर आ रहा था विमान, बम स्क्वायड ने 2.30 घंटे तक की चेकिंग**

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या से बड़ी खबर है। एयरपोर्ट पर लैंड होने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में बम होने की सूचना के बाद सर्च ऑपरेशन चल रहा है। फ्लाइट में 139 यात्री सवार थे, उन्हें

सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, जयपुर से उड़ान भरने के बाद 1 मैसेज मिला कि विमान में बम है। अयोध्या में लैंड होने के बाद सीआई एसएफ के जवानों ने फ्लाइट को अपने कब्जे में ले लिया। इस वक्त फ्लाइट के अंदर चेकिंग चल रही है। अचानक सीआईएसएफ के जवानों ने इस फ्लाइट को घेर लिया। कुछ जवान अंदर आए और फिर हमें कतार में नीचे उतारा गया। हमारा सामान फ्लाइट के अंदर ही छोड़ दिया गया। हमें करीब 200 मीटर की दूरी पर लाकर हवाई पट्टी पर ही बैठा दिया गया। लोग टर्मिनल की तरफ जाना चाहते थे।

सुप्रभात

प्रेम
जब तुम आते हो
सारी दुनिया
अमृत का घट
लगती है

प्रेम
जब तुम आते हो
चारों ओर हरियाली
छा जाती है

प्रेम
जब तुम आते हो
प्राणों में
रस की नदी
बहने लगती है

प्रेम
जब तुम आते हो
सारी धरती
स्वर्ग लगती है

प्रेम
जब तुम आते हो
सारी प्रकृति
षोडशी स्त्री-सी
महकने लगती है।

– दुर्गाप्रसाद झाला

भारत ने अमेरिका के साथ की 31 प्रीडेटर ड्रोन की डील

32 हजार करोड़ की डील फाइनल,तीनों सेनाओं को मिलेंगे; देश में ही बनेगी मेंटेनेंस फैसिलिटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दुश्मनों की नींद उड़ी हुई है। भारत ने अमेरिका के साथ एक ऐसी डील की है, जिससे चीन और पाकिस्तान की भी टेंशन बढ़ गई है। भारत ने अमेरिका के साथ 34 हजार करोड़ रुपये की प्रीडेटर ड्रोन्स की डील की है। अमेरिका भारत को 31- एमक्यू प्रीडेटर ड्रोन्स सप्लाई करेगा। इस डील की कुल कीमत 34,500 करोड़ रुपये है। तीनों सेनाओं को अलग-अलग संख्या में ड्रोन्स मिलेगी। वहीं इस डील की सबसे अहम बात यह है कि भारत में ड्रोन्स के मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरऑल के लिए भी फैसिलिटी बनाई जाएगी।

इसी साल के जून महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे पर गए थे। इस दौरान ही उन्होंने अमेरिका को 31 हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंडोरेंस ड्रोन्स का प्रस्ताव दिया था। एमक्यू 9 बी हंटर किलर ड्रोन अधिक ऊंचाई पर उड़ सकता है और इसे रीपर भी बुलाते हैं। अमेरिका से जो ड्रोन भारत को मिलेंगे, उन्हें तीनों सेनाओं में बांटा जाएगा।

इन ड्रोन्स को विशेष तौर पर चार जगह पर तैनात किया जाएगा। चेन्नई में आईएनएस राजाली और गुजरात के पोरबंदर में इसका संचालन भारतीय नौसेना करेगी। तो वहीं गोरखपुर और सरसावा एयर फोर्स बेस पर वायु सेना और आर्मी इसका संचालन करेगी। गोरखपुर और सरसावा बेस पर इसलिए ड्रोन को तैनात किया जाएगा, ताकि चीन के लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल की निगरानी रखनी आसान हो जाए। इसके अलावा लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में भी इसके जरिए निगरानी रखा जाएगा।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 16 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

राज्यपाल श्री पटेल जीवाजी विश्वविद्यालय के कन्या छात्रावास पहुँचे

छात्राओं को दी शुभकामनायें और सुविधाओं के बारे में ली जानकारी

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मंगलवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इसके बाद विश्वविद्यालय परिसर में स्थित लक्ष्मीबाई कन्या छात्रावास का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं से चर्चा की और छात्रावास में मिल रहीं सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

राज्यपाल श्री पटेल ने छात्राओं को सुखद भविष्य के लिए शुभकामनायें दीं, साथ ही कहा कि वे पूरी मेहनत व लगन के साथ पढ़ाई करें। उन्होंने कहा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये तमाम योजनायें संचालित की जा रही हैं। छात्राएं इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपना भविष्य उज्ज्वल करें।

राज्यपाल श्री पटेल द्वारा किए गए छात्रावास के भ्रमण के दौरान जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. अविनाश तिवारी सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

विद्यार्थी भावी जीवन में निरंतर सीखने की भावना जागृत रखें : राज्यपाल

पद्मभूषण डॉ. विजय पी. भटकर और डॉ. नरेन्द्र नाथ लाहा मानद उपाधि से सम्मानित

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विद्यार्थी भावी जीवन में निरंतर सीखने की भावना जागृत रखें और 'अन-लर्निंग, रि-स्किलिंग व अप-स्किलिंग' पर विशेष ध्यान दें। साथ ही यह संकल्प लें कि जीवन के उतार-चढ़ाव और विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों, ज्ञान और आचरण के उच्चतम प्रतिमानों का निष्ठा के साथ पालन करेंगे। राज्यपाल श्री पटेल ने यह बात जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कही। उन्होंने गोल्ड मैडल व उपाधियाँ प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावक व गुरुजनों को बधाई दी और सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल श्री पटेल की अध्यक्षता एवं नालंदा विश्वविद्यालय बिहार के चांसलर पद्मभूषण डॉ. विजय पी. भटकर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अविनाश तिवारी, कुलाधिसचिव प्रो. डी. एन. गोस्वामी, कुल सचिव श्री अरूण सिंह चौहान एवं कार्य परिषद के सदस्यगण मंचासीन थे। दीक्षांत समारोह में पद्मभूषण डॉ. विजय पी. भटकर को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि और साहित्यकार व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नरेन्द्र नाथ लाहा को डीलिट् की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। साथ ही शिक्षण सत्र 2022-23 और 2023-24 के 81 विद्यार्थियों को 126 गोल्ड मैडल, 297 विद्यार्थियों को पीएचडी (डॉक्टर ऑफ फिलोसपी) एवं 397 विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर उपाधियाँ प्रदान की गईं। विश्वविद्यालय की प्रतिभावान छात्रा सुश्री अंकिता मिश्रा को 4 एवं सुश्री त्रिपर्णा बारिक को 3 गोल्ड मैडल देकर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि दीक्षांत कार्यक्रम सदैव से हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा रहे हैं। प्राचीन काल में गुरुकुल शिक्षा में अध्ययन के समापन के बाद घर वापस लौटने के लिये समावर्तन संस्कार होता था। आधुनिक दीक्षांत समारोह उसी का एक रूप है। उन्होंने कहा दीक्षांत समारोह एक भावनात्मक अनुबंध का प्रतीक भी हैं, जिसमें छात्र-छात्राएँ अपने ज्ञान और मेधा के साथ गुरुजनों के बताए मार्ग पर चलने और राष्ट्र सेवा की शपथ लेते हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश में या तो आप परिवर्तन को प्रेरित करते हैं अथवा परिवर्तन आपको प्रेरित करता है। इसलिए विद्यार्थी अपने जीवन के लक्ष्य निर्धारित करें और एकाग्र होकर उन लक्ष्यों को हासिल करने के लिये प्राण-पण से जुट जाएँ। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से समर्थ, सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत बनाने के लिये भावी पीढ़ी को मति, गति और दिशा निर्धारण करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालयों को सौंपी है। विश्वविद्यालयों से अपेक्षा है कि शिक्षा के इस मंदिर में विद्यार्थियों को ज्ञान, विज्ञान के साथ बौद्धिकता और संस्कारों के समन्वय की सीख भी दें। हर विधा के विद्यार्थियों को शोध एवं नवाचारों को समझने और अपनाने का अवसर भी विश्वविद्यालय में मिले।

पद्मभूषण डॉ. विजय पी. भटकर ने दीक्षांत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि अच्छे विश्वविद्यालय देश को महान बनाते हैं। खुशी की बात है कि जीवाजी विश्वविद्यालय मेक द नेशन के पथ पर चलकर देश को महान बनाने के लक्ष्य पर आगे बढ़ रहा है। हमारी कामना है कि यह विश्वविद्यालय विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय का रूप लेकर नॉलेज बेस्ड इंडिया के निर्माण में अपना अहम योगदान दे। डॉ. भटकर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जीवाजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में गोल्ड मैडल व उपाधियाँ प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या अधिक है। इससे निश्चित ही महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को बल मिलेगा।

जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरू (कुलपति) प्रो. अविनाश तिवारी ने दीक्षांत उपदेश दिया एवं गोल्ड मैडल व उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। डॉ. नरेन्द्र नाथ लाहा ने मानद डीलिट् उपाधि प्रदान करने के लिये जीवाजी विश्वविद्यालय के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया और यह उपाधि अपने माता-पिता को समर्पित की। दीक्षांत समारोह के आरंभ में शोभा यात्रा निकली। शुभारंभ व समापन राष्ट्रगान जन-गण-मन के सामूहिक गान के साथ हुआ।

न अलार्म, न अलर्ट

हिजबुल्लाह ने निकाल ली आयरन डोम की काट !

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल इस वक्त एक साथ कई मोर्चों पर जंग लड़ रहा है। ऐसे में मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचने के लिए इजरायल ने अपनी सीमाओं पर सबसे बड़ा सुरक्षा तंत्र यानी आयरन डोम डिफेंस सिस्टम तैनात कर रखा है, जो दुश्मन देश की तरफ से आने वाली हर मिसाइल और ड्रोन को इंटरसेप्ट कर इजरायल के सुरक्षा दे रहा है। हाल ही में जब ईरान ने करीब 200 बैलस्टिक मिसाइलों से इजरायल पर हमला बोला तो उनमें से अधिकांश को इजरायली

आयरन डोम ने हवा में ही नष्ट कर दिया लेकिन अब हिज्बुल्लाह ने उसकी काट निकाल ली है। दरअसल, लेबनान के हिज्बुल्लाह आतंकियों ने रविवार को उसकी सुरक्षा तंत्र में सेंधमारी करते हुए इजरायली सेना के ठिकानों पर ताबड़तोड़ कई ड्रोन दागे हैं, जिसमें चार सैनिकों की मौत हो गई है, जबकि 60 से ज्यादा घायल हुए हैं। हिजबुल्लाह आतंकियों ने मिरसाद-1 ड्रोन के जरिए रविवार शाम को बिनयामीना-गिवात अदा के पास इजरायली सुरक्षा बल बेस पर हमला किया, जिसमें चार सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं। ये ड्रोन समुद्री क्षेत्र से होते हुए मध्य इजरायली क्षेत्र में जाकर लक्षित ठिकानों पर गिरे। आईडीएफ ने कहा है कि वह इस घटना की जांच कर रही है। आईडीएफ ने यह भी कहा है कि उसने हिज्बुल्लाह के एक ड्रोन को मार गिराया है। ऐसे में सवाल ये उठ रहे हैं कि आखिर आयरन डोम के तैनात होते हुए हिज्बुल्लाह ने ड्रोन से हमले कैसे किए।

भावसार-बंधु ने भारतीय शास्त्रीय चित्रकला को लोकजीवन में बनाया लोकप्रिय : डॉ. श्रोत्रिय

भोपाल। हिंदी की नई कविता के महत्वपूर्ण कवि प्रो. निरंजन श्रोत्रिय ने कहा है कि भारतीय शास्त्रीय चित्रकला को लोकजीवन में लोकप्रिय बनाने में देश के शीर्ष चित्रकार भावसार-बंधु ने अपना सम्पूर्ण कला-जीवन समर्पित कर दिया । यह भारतीय शास्त्रीय एवं अकादमिक चित्रकला की विलक्षण उपलब्धि है ।

डॉ. श्रोत्रिय यहाँ 'हम विक्रम' द्वारा हिंदी भवन में आयोजित डॉ. रामचंद्र भावसार की स्मृति सभा को संबोधित कर रहे थे । उनका हाल में निधन हो गया था । डॉ. रामचंद्र भावसार और उनके अनुज डॉ. लक्ष्मीनारायण भावसार की जोड़ी ने भारतीय कला का लोकव्यापीकरण किया और विदेश में भी इसका प्रचार-प्रसार किया। ठीक उसी तरह, जिस तरह पद्मश्री विभूषित गुंदेचा बंधु ने शास्त्रीय गायन की दुर्लभ ध्रुपद शैली को देश-विदेश में लोकप्रिय बनाया। राष्ट्रीय कला की ये दोनों जोड़ियाँ मूलतः उज्जैन की हैं, जो बाद में भोपाल में बस गईं। डॉ. लक्ष्मीनारायण भावसार ने शास्त्रीय और अकादमिक कला को परिभाषित करते हुए डॉ. रामचंद्र भावसार के योगदान की चर्चा की। पूर्व पुलिस महानिदेशक नरेंद्रप्रसाद ने कहा कि वे उनकी कला से बेहद प्रभावित हुए और इसके बारे में सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक के. एफ. रुस्तमजी को बताया। रुस्तमजी ने विशेष विमान भेजकर उन्हें श्रीनगर आमंत्रित किया और उनके आग्रह पर उनसे कश्मीर की वादियों का शानदार लैंडस्केप बनवाया ।

सभा को प्रो. अनिल शिवानी, प्रख्यात चित्रकार विनय सप्रे, जानेमाने पुरातत्ववेत्ता डॉ. नारायण व्यास, डॉ. मोहन झाला, रेखा भटनागर, स्मिता नागदेव और सिद्धार्थ त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। संचालन कवि और आलोचक पंकज पाठक ने किया। कार्यक्रम में शीर्ष कलाकार देवीलाल पाटीदार, विवेक, डॉ, रामचंद्र भावसार के पुत्र और हमीदिया कालेज के चित्रकला विभागाध्यक्ष प्रो. आलोक भावसार, पूर्व महापौर दीपचंद यादव, अंकिता जैन, डॉ. नज़र मेहमूद, प्रकाश गाँधी, विनोद शर्मा, संदीप सरन, डॉ. नवीन आनंद जोशी, अक्षय बिदुआ सहित बड़ी संख्या में कलाकार, कला समीक्षक, कलागुरु, कला अध्येता, शोधार्थी और कला विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे । सभी ने डॉ. भावसार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

यूपी में विधानसभा उपचुनाव की तारीख हुई घोषित

- 13 नवंबर को होगी वोटिंग, 23 नवंबर को नतीजे

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल कहे जा रहे उपचुनावों का सेट तैयार हो गया है। सभी सीटों पर एक साथ 13 नवंबर को वोटिंग होगी और 23 नवंबर को मतगणना के साथ नतीजे घोषित हो जाएंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को यूपी की दस विधानसभा सीटों में से नौ सीटों पर उपचुनाव का ऐलान कर दिया। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर फिलहाल उपचुनाव नहीं होगा। इसके पीछे कुछ त्योहारों और मेलों को कारण बताया गया है। जिन सीटों पर वोटिंग होगी उनमें मैनपुरी की करहल, अलीगढ़ की खैर,

बिजनौर की मीरापुर, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद की गाजियाबाद, मिर्जापुर की मझवां, अम्बेडकरनगर की कटेहरी, संभल की कुंदरकी और कानपुर की सीसामऊ सीट है। चुनाव आयोग की तरफ से जारी कार्यक्रम के अनुसार 18 अक्टूबर को अधिसूचना के साथ ही नामांकन शुरू हो जाएंगे। 25 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किया जा सकेगा। 28 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 30 अक्टूबर तक नाम वापस लिये जा सकेंगे। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन से हारने के बाद भाजपा के पास 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले माहौल बनाने का उपचुनाव एक मौका है। भाजपा ने इसके लिए तैयारियां भी काफी समय पहले से शुरू कर दी हैं। सभी सीटों पर तीन-तीन मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद लोकसभा चुनाव के बाद सभी दस सीटों पर दौरे कर चुके हैं। सपा ने दस में से छह सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। बसपा भी मिल्कीपुर समेत दस में से पांच सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी है।

लॉरेन्स गैंग के साथ मिलकर काम कर रहे भारतीय एजेंट्स

कनाडा बोला-बिश्नोई गैंग के साथ भारत के एजेंट्स की है मिलीभगत

भारत ने कनाडा के आरोपों को किया खारिज, राजनयिकों को बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बिगड़ते रिश्तों के बीच अब लॉरेन्स बिश्नोई की एंट्री हो गई है। भारत की तरफ से कनाडा से अपने राजनयिकों को वापस बुलाने के कुछ ही घंटों बाद कनाडा ने भारत पर एक और गंभीर आरोप लगाया है। ऐसे लग रहा है कि कनाडा के पीएम भारत के साथ बिल्कुल संबंध को बिगाड़ने पर ही तुल गए हैं। ऐसे में विदेश नीति के जानकारों से लेकर आम लोगों को भी यह समझ नहीं आ रहा है कि आखिर जस्टिन ट्रूडो को हुआ क्या है। कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस का आरोप है कि भारत उनकी धरती पर 'गंभीर आपराधिक गतिविधि' में सीधे-सीधे शामिल है।

हालांकि कनाडा ने अपने दावों के समर्थन में किसी भी तरह का सबूत पेश नहीं किया है। कनाडा की पुलिस का आरोप है कि ओटावा में भारत सरकार के 'एजेंट' खालिस्तानी तत्वों को निशाना बनाने के लिए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के साथ मिलकर काम कर रहे थे। खास बात है कि ये आरोप ऐसे समय में सामने आए हैं जब लॉरेंस बिश्नोई गिरोह मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में कथित संलिप्तता के कारण भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की नजर में है।

बिना कर्मचारी यहां चलेगा देश का पहला टोल प्लाजा

- शुरू होने वाला है नया हाईवे, तीन राज्यों का सफर होगा आसान ● हरियाणा के झिंझौली में शुरू हो रहा पहला बिना बूथ टोल प्लाजा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में जल्द देश का पहला बिना बूथ के टोल प्लाजा शुरू होने जा रहा है। एनएचएआई ने इसके लिए टोल की दरें भी तय कर दी हैं। झिंझौली में बनने वाले इस टोल प्लाजा में टोल कलेक्शन करने की पूरा प्रोसेस ऑटोमेटिक होगा। यहां सोनीपत से लेकर बवाना तक के 29 किमी के सफर को पूरा करने के लिए 65

रुपये चुकाने होंगे। इस टोल पर ऐसे सेंसर लगाए जा रहे हैं जो फास्टैग से खुद ही टोल काट लेंगे। इसका ट्रायल रन भी हो चुका है। इस टोल के शुरू होने से दिल्ली, हरियाणा और पंजाब का सफर आसान हो जाएगा। नया हाईवे बनने से सोनीपत से बवाना तक का सफर एक एक घंटा से घटकर सिर्फ 20 मिनट का रह जाएगा। वहीं आईजीआई का सफर घटकर एक घंटे से भी कम हो जाएगा। इतना ही नहीं इस हाईवे के शुरू होने के बाद दिल्ली-अमृतसर एन-44 पर ट्रैफिक का दबाव भी कम हो जाएगा। इस रास्ते से जाने वाले हाईवे पर कार, जीप और वैन के लिए 65 रुपये चुकाने होंगे। वहीं मिनी बस, हल्के व्यावसायिक वाहनों के लिए 105 रुपये चुकाने होंगे।

हरियाणा में हाथ जला चुकी कांग्रेस का महाराष्ट्र में अलर्ट

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं के साथ की मीटिंग

पार्टी नेताओं को दी नसीहत-ओवर कॉन्फिडेंस में न रहना

मुंबई (एजेंसी)। हरियाणा में जीत सामने देख रही कांग्रेस को अंत में हार नसीब हुई। इस करारी हार को अब तक कांग्रेस हजम नहीं कर पाई है। इस नतीजे की एक वजह ओवर कॉन्फिडेंस भी मानी जा रही है। यही वजह है कि पार्टी अब महाराष्ट्र में हर कदम फूंक-फूंक कर रखना चाहती है। सोमवार को महाराष्ट्र कांग्रेस नेताओं के साथ हुई मीटिंग में राहुल गांधी ने अलर्ट भी किया कि आप लोगों को ओवर कॉन्फिडेंस से बचना होगा। उन्होंने कहा कि आप लोग एकजुट होकर काम करें और

किसी भी तरह के अति आत्मविश्वास से बचें। लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपने दम पर बहुमत से रोकने वाली कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में अच्छे नतीजे लाएगी। खासतौर पर हरियाणा में तो पार्टी को अपने दम पर सत्ता की उम्मीद थी, लेकिन नतीजे ने चौंका दिया। भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में जीत गई। अब भाजपा को महाराष्ट्र में जीत का भरोसा जग गया है, जबकि कांग्रेस सावधानी के साथ ही चलना चाहती है।

नासा ने बृहस्पति के चांद यूरोपा पर स्पेसक्राफ्ट भेजा

वाशिंगटन (एजेंसी)। बृहस्पति ग्रह के चांद यूरोपा पर जीवन की संभावना की तलाश करने के लिए नासा ने सोमवार को यूरोपा क्लिपर स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया। स्पेसक्राफ्ट को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के फाल्कन हैवी रॉकेट से लॉन्च किया गया। यह मिशन 6 साल का

होगा और इस दौरान स्पेसक्राफ्ट करीब 3 अरब किलोमीटर का रास्ता तय करेगा। यूरोपा क्लिपर 11 अप्रैल 2030 में बृहस्पति की कक्षा में दाखिल होगा। इसके बाद 4 साल में यह 49 बार यूरोपा चांद के करीब से गुजरेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, वैज्ञानिकों को लगता है कि बृहस्पति के चांद की बर्फीली सतह के नीचे पानी के समुद्र है, जो इस उपग्रह को रहने लायक बना सकते हैं। यूरोपा क्लिपर स्पेसक्राफ्ट पर कई सोलर पैनल लगे हैं। नासा ने मिशन पर 43 हजार करोड़ खर्च किए यह किसी दूसरे ग्रह की जांच के लिए नासा की तरफ से बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा स्पेसक्राफ्ट है।

बहराइच हिंसा

सड़कों पर फोर्स, डीएम और कमिश्नर भी मैदान में उतरे

इंटरनेट कल तक बंद

- 50 से ज्यादा घरों में आग लगाई; सीतापुर से 40 घंटे बाद एंट्री

बहराइच (एजेंसी)। यूपी के बहराइच में हिंसा के दौरान 50 से अधिक घरों में तोड़फोड़ की गई। इन घरों में एक भी शख्स मौजूद नहीं है। हरदी और महसी के 20 किमी क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस की गाड़ियां लगातार घूम रही हैं। प्रभावित इलाकों में आधार कार्ड देखकर ही एंट्री दी जा रही है। हिंसा में मारे गए राम गोपाल के परिजन ने सीएम हाउस में योगी से मुलाकात की। सीएम के आगे हाथ जोड़कर न्याय की गुहार लगाते हुए राम गोपाल के पिता रोने लगे। उनके साथ आई उनकी पत्नी और बहू

ने भी सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान पीड़ित परिवार के साथ महसी विधायक सुरेश्वर सिंह भी मौजूद थे। इलाके में पीएसी, एसएएफ और स्थानीय पुलिस तैनात है। डीएम मोनिका रानी ने बताया- जिन घरों में तोड़फोड़ की गई है, उन्हें चिह्नित किया जा रहा है। अफवाहों को रोकने के लिए जिले में 16 अक्टूबर तक इंटरनेट बंद कर दिया गया है।

‘साहब, डेली कलेक्शन के नाम हमसे ठगी हो गई’

भोपाल में हुई जनसुनवाई में पहुंचे लोग; बोले- 1 हजार को शिकार बनाया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कलेक्टोरेट में हुई जनसुनवाई में कोलार के राजकुमार वर्मा ने यह पीड़ा अफसरों को सुनाई। राजकुमार ने बताया, अशोक नाथ योगी और उसकी पत्नी कृष्णा ने एक कंपनी बनाकर हमसे डेली कलेक्शन के नाम पर रुपए इकट्ठा किए। कोलार इलाके में ही करीब 1 हजार लोग इनके ग्राहक बने। अब दोनों ही रुपए लेकर फरार हो गए हैं। मोबाइल बंद है। इस कारण उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। 3 से 5 करोड़ रुपए की ठगी की गई है। इन दोनों को जल्दी पकड़ा जाए, ताकि व्यापारियों को उनकी राशि मिल सके।

बिल्डर नहीं दे रहा सुविधाएं, कलेक्टर से शिकायत

अरवलिया स्थित राबी एन्क्लेव कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायत रहवासियों ने की है। कॉलोनी के सतीश लोधी, प्रेमबाई साहू, रीना बाई, ओमप्रकाश, अक्षय नाथ, छोटेलाल, शिव कुमार, शुभम आदि ने बताया कि कॉलोनी में प्लाट खरीदे थे, लेकिन यहां बिजली, पानी, सड़क, गार्डन, ड्रेनेज सिस्टम नहीं है। इस वजह से रहवासियों को परेशानी हो रही है। इस मामले में कार्रवाई की जानी चाहिए।

शिकायतों के 84 आवेदन आए

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की मौजूदगी में जनसुनवाई हुई। इसमतें कुल 84 लोगों ने अपनी समस्याओं के आवेदन दिए।

इधर, महापौर ने की हेल्पलाइन की समीक्षा

महापौर मालती राय ने मंगलवार को महापौर हेल्पलाइन की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने शिकायत करने वालों से भी मोबाइल पर चर्चा की। साथ ही अफसरों को भी शिकायतें दूर करने के निर्देश दिए। बता दें कि महापौर हेल्पलाइन में सबसे ज्यादा शिकायतें स्ट्रीट डॉग्स, अतिक्रमण से जुड़ी हैं।

फॉरेस्ट गार्ड्स से 165 करोड़ की वसूली पर रोक

सीसीएफ-सीएफ केवल गणना पत्रक तैयार करेंगे, वसूली नहीं

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के फॉरेस्ट गार्ड्स से अब 165 करोड़ रुपए की वसूली नहीं की जाएगी। वन विभाग ने आगामी आदेश तक वसूली पर रोक लगा दी है। संभाग और जिलों में पदस्थ मुख्य वनसंरक्षक, वनसंरक्षक से कहा गया है कि वे फॉरेस्ट गार्ड्स को पिछले 8 साल में वेतन के रूप में दी गई अधिक राशि का सिर्फ गणना पत्रक तैयार करें, अभी वसूली न करें। मंगलवार को अपर प्रधान मुख्य वनसंरक्षक कमलिका मोहंता ने यह आदेश जारी किए हैं।

विभाग ने 5200 के स्थान पर 5680 पे-बैंड देकर पिछले 8 साल में 6 हजार 592 फॉरेस्ट गार्ड्स को निर्धारित सैलरी से 165 करोड़ रुपए अधिक दिए हैं। यह स्थिति भोपाल, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिलों को छोड़कर पूरे प्रदेश में है। दोनों जिलों के कोषालय अधिकारियों ने इस गड़बड़ी को पकड़ा और वित्त विभाग के संज्ञान में लाए। अगस्त में वित्त विभाग ने इस पर आपत्ति लेते हुए वन विभाग को लिखा कि फॉरेस्ट गार्ड सीधी भर्ती का पद नहीं है, इसलिए उन्हें 5680 का पे-बैंड नहीं दिया जा सकता है। उनका वेतन मूलभूत नियम 22, 2 से निर्धारित करें। इसके बाद वन विभाग ने सभी मैदानी अधिकारियों को फॉरेस्ट गार्ड्स को 8 साल में दी गई अधिक राशि की गणना करने और हर माह किस्तों में राशि की वसूली करने के निर्देश दिए थे। जिस आधार पर मैदानी अधिकारियों ने वसूली शुरू कर दी थी। फॉरेस्ट गार्ड्स को वसूली के नोटिस दिए जा रहे थे। बता दें कि ये गड़बड़ी 1 जनवरी 2006 से 8 सितंबर 2014 के बीच भर्ती हुए वनरक्षकों की सैलरी में हुई है। फॉरेस्ट गार्ड्स से डेढ़ से 5 लाख रुपए तक की वसूली की जानी थी। इस राशि पर 12 प्रतिशत ब्याज भी देना पड़ता।

विजयवर्गीय एक बार फिर नशे पर खुलकर बोले

इंदौर में कहा- मुख्यमंत्री जी ड्रग्स तस्करों के तार राजस्थान से जुड़े हैं, मेरे पास नाम-पते हैं

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, इंदौर में नशे के कारोबार के तार राजस्थान के प्रतापगढ़ से जुड़े हैं। इस कारोबार के पीछे कौन लोग हैं उनके नाम भी मुझे पता है। एमपी पुलिस ने चोर को तो पकड़ लिया है, लेकिन चोर की मां तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। एमपी को बचाना है तो चोर की मां तक पहुंचना जरूरी है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सोमवार को इंदौर में फ्लाईओवर के लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव शामिल हुए थे। विजयवर्गीय ने कहा, मेरे पास ड्रग्स बेचने वालों के नाम आ गए हैं। भोपाल से अधिकारियों को राजस्थान पुलिस से संपर्क करना पड़ेगा। ड्रग्स के खिलाड़ियों को जेल में डालना होगा। कांग्रेस का सवाल है कि क्या सीएम डॉ. मोहन यादव, एमपी के डीजीपी और भोपाल पुलिस अपने मंत्री जी से नशे के सौदागरों के पते लेकर कठोर कार्रवाई करेंगे?

नेता प्रतिपक्ष बोले- इशारा क्या करना चाह रहे- मंत्री विजयवर्गीय के बयान पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- संतोष है पर संतुष्टि नहीं है। क्यों भैया? प्रतापगढ़ से ड्रग्स आते हैं? प्रतापगढ़ कौन से राज्य में है? कार्रवाई किसे करनी है और क्यों नहीं की जा रही है? आखिर आप इशारा क्या करना चाह रहे हैं?

जनप्रतिनिधि राजनीति की रोटियां सेक रहे

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने कहा, कैलाश विजयवर्गीय का कहना है कि उनके पास नशे के सौदागरों की डिटेल्स हैं, प्रतापगढ़ से नशा आता है और कठोरतम कार्रवाई की जरूरत है, जिसमें भोपाल पुलिस के हस्तक्षेप की जरूरत है। यह बयान मंच से सीएम के सामने दिया गया था। कितना शर्मनाक है कि समाज और परिवार नशे में बर्बाद हो रहे हैं, और जनप्रतिनिधि जानते हुए भी भ्रष्टाचार में लिप्त राजनीति की रोटियां सेक रहे हैं।

मध्यप्रदेश में पकड़ी गई थी ड्रग्स

बता दें, पिछले कुछ दिनों में मध्य प्रदेश में बड़ी संख्या में ड्रग्स पकड़ी गई है। सबसे पहले भोपाल में 1814 करोड़ की एमडी ड्रग्स बनाने की सामग्री मिली थी। यह पूरी फैक्ट्री थी। वहीं, इसके बाद झाबुआ में भी 168 करोड़ की एमडी ड्रग्स बरामद हुई है, जबकि मंदसौर जिले में भी ड्रग्स पकड़ी गई थी। ड्रग्स का कई राज्यों से कनेक्शन भी सामने आ रहा है।

16 साल से बंधक महिला की मौत

पुलिस ने 9 दिन पहले ही ससुराल से किया था रेस्क्यू, रस्सी से बंधी मिली थी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बरखेड़ी इलाके से 9 दिन पहले रेस्क्यू की गई महिला रानू साहू की सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात 3 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला के पिता नरसिंहपुर निवासी किशन लाल साहू ने महिला थाना आकर आवेदन दिया था। पिता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने जहांगीराबाद पुलिस के साथ मिलकर महिला को उसके ससुराल से रेस्क्यू किया था। पुलिस ने महिला के पति पर मामला दर्ज किया था।

पीड़िता को रेस्क्यू के बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला के परिजन ने पति-ससुर और ससुराल के अन्य लोगों पर बेटी को बंधक बनाकर रखने और भोजन-पानी नहीं देने का आरोप लगाया था। वहीं पीड़िता के ससुर और पति ने उसके मानसिक रूप से बीमार होने की बात कही थी। महिला का पोस्टमार्टम आज होगा। परिवार के लोग भी भोपाल में ही मौजूद हैं।

40 साल की उम्र में 25 किलो रह गया था वजन- जानकारी के अनुसार एनजीओ, पीड़िता के परिजन, महिला थाना और जहांगीराबाद थाने की टीम जब मौके पर पहुंची तो पीड़िता कमरे में रस्सी से बंधी मिली। वह चल भी नहीं पा रही थी। उसे गोद में उठाकर बाहर लाना पड़ा था। करीब 40 साल की पीड़िता हड्डी का ढांचा बन चुकी थी। उसका वजन सिर्फ 25 किलो रह गया था।

2006 में हुई थी शादी, 2 साल बाद मिलना बंद कराया

महिला थाने में नरसिंहपुर के किशन लाल साहू ने आवेदन दिया था। किशन लाल के अनुसार उनकी बेटी रानू साहू का विवाह 2006 में भोपाल निवासी योगेंद्र साहू से हुआ था। साल 2008 के बाद से बेटी के ससुराल वालों ने उससे मिलने नहीं दिया। बेटी के बच्चों को भी उससे दूर भेज दिया गया।

ससुराल पक्ष के प्रताड़ित करने के बाद से बेटी की हालत खराब होने की जानकारी पड़ोसियों से मिली। किशन लाल ने पुलिस से बेटी रानू को रेस्क्यू कर इलाज कराने और ससुराल पक्ष के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। इसके बाद महिला थाना पुलिस ने लोकल थाने की मदद से रानू को रेस्क्यू किया।

पति-ससुर ने महिला को मानसिक रोगी बताया

पति और ससुर का कहना है कि पीड़िता मानसिक रोगी थी, उसका इलाज चल रहा था। हालांकि परिवार इलाज के पर्चे नहीं दिखा सका। पति ने बंधक बनाकर रखने की बात से इनकार किया। उसने कहा- चार दिन पहले ही साले और रिश्ते की एक साली ने पत्नी से मुलाकात की थी। अगर बंधक बनाकर रखते तो उनसे मिलने क्यों देते।

भाई ने कहा था- वीडियो पर बहन को देखा, तब आए

पीड़िता के छोटे भाई शिव कुमार साहू ने बताया था कि सूचना मिली थी कि बहन को ससुराल में बंधक बनाकर रखा गया था। इसी का पता लगाने दो दिन पहले बहन रानू से मिलने गई। उसने वीडियो बनाकर भेजा। तब बहन की हालत देखी और पुलिस को साथ लेकर गए। ससुराल से उसे मुक्त कराया। उसकी हालत बेहद खराब थी। वजन मात्र 25 किलो रह गया था। उसके साथ अत्याचार किया जा रहा था। इस कारण उसकी हालत ऐसी हुई। ससुराल वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

भर्ती प्रक्रिया की औपचारिकताओं की पूर्ति में न हो विलंबः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

पीएससी और ईएसबी द्वारा 33 हज़ार से अधिक पदों में चयन प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की

भोपाल(नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिये हैं कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में चिकित्सकीय एवं सहायक चिकित्सकीय पदों में भर्ती की प्रक्रिया प्राथमिकता से पूर्ण की जाये। संबंधित विभागीय अधिकारी चयन संस्थानों से नियमित संपर्क में रहें। औपचारिकताओं की पूर्ति में किसी भी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए। उप

मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में लोक सेवा आयोग एवं कर्मचारी चयन मंडल द्वारा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग में की जाने वाली चयन प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। आयुक्त लोक स्वास्थ्य श्री तरुण राठी, सचिव चिकित्सा शिक्षा श्रीमती सुरभि गुप्ता और संचालक श्रीमती मल्लिका नागर उपस्थित रहीं।

उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में 33 हज़ार 118 पदों में भर्ती प्रक्रियाधीन है। इनमें 3 हज़ार 341 विज्ञप्त श्रेणी, 3 हज़ार 620 नर्सिंग श्रेणी के और 5 हज़ार 732 अविज्ञप्त श्रेणी के पद हैं। इनमें आईपीएचएस मानक के लिये स्वीकृत 18 हज़ार 653 पद, 263 उन्नयन संस्थाओं के लिये 5 हज़ार 664 पद, कैलाशनाथ काटजू सिविल हॉस्पिटल के 195 पद, 454 उन्नयन संस्थाओं के लिये 7 हज़ार 977 पद, 9 शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय के लिए 414 पद सहित 10 अन्य संस्थानों के 215 पद शामिल है। विशेषज्ञ, चिकित्सा अधिकारी, सिविल सर्जन, प्रशासकीय अधिकारी, अस्पताल अधीक्षक, सहायक प्रबंधक, प्रबंधक, हॉस्पिटल असिस्टेंट, नर्सिंग ऑफिसर, मेट्रन, नर्सिंग सुपरिटेंडेंट, लैब टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, रेडियोग्राफर सहित अन्य चिकित्सकीय सहायक चिकित्सकीय पदों पर चयन की कार्यवाही लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल द्वारा की जा रही है।

मध्यप्रदेश उपचुनाव में उम्मीदवारों का पैनल दिल्ली जाएगा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में बुधनी और विजयपुर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव को लेकर प्रदेश चुनाव समिति की बैठक संपन्न हो गई। चुनाव समिति की बैठक में कई राष्ट्रीय नेताओं सहित प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं ने भी हिस्सा लिया। चुनाव समिति की बैठक में उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों को लेकर प्रारंभिक चर्चा हुई। माना जा रहा हैं कि विजयपुर विधानसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार रामनिवास रावत होंगे। श्री रावत कांग्रेस से त्यागपत्र देकर भाजपा में शामिल हुए थे। राम निवास रावत के नाम पर चुनाव समिति के सभी नेता एकमत थे। जबकि बुधनी सीट को लेकर नेताओं ने अपने अनुभव और पार्टी हित को देखते हुए कई नामों पर चर्चा की। सूत्रों की माने तो बुधनी से एक महिला सहित पांच उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई। बताया जाता हैं कि बुधनी विधानसभा उपचुनाव को लेकर जिन पांच नामों पर चर्चा हुई उनमे कार्तिकेय चौहान, रमाकांत भार्गव, रवि मालवीय, डॉ. बरखा वर्मा और रघुनाथ भाटी के नाम शामिल थे। सूत्रों का कहना हैं कि प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में विजयपुर सीट को लेकर बहुत कम चर्चा हुई जबकि बुधनी सीट को लेकर व्यापक मंथन चलता रहा। मिली जानकारी के मुताबिक उपचुनाव विजयपुर और बुधनी के लिए चर्चारत उम्मीदवारों का पैनल बना कर केंद्र को भेजने पर सहमति जताई गई है।

विश्नोई को आया फोन- सदस्यता अभियान का ठेका दे दो

भाजपा विधायक बोले- लोग पैसों के दम पर सदस्य बढ़वाकर खुद को बड़ा नेता बताएंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में चल रहे भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर अब नई कंट्रोवर्सी खड़ी हो गई है। भाजपा के सीनियर विधायक और पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने ही इस मेंबरशिप ड्राइव पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि मेरे पास एक फोन आया कि आप सदस्यता अभियान का ठेका हमें दे दीजिए। ये एक एजेंसी का कॉल था। ऐसे तो लोग पैसों के दम पर सदस्य बढ़वाकर खुद को बड़ा नेता दिखाएंगे।

विश्नोई के ट्वीट के बाद कांग्रेस हमलावर हो गई है और सरकार पर फर्जी सदस्यता अभियान चलाने के आरोप लगाए हैं। वहीं भोपाल दक्षिण-पश्चिम से भाजपा विधायक और प्रदेश महामंत्री भगवान दास सबनानी विधायक विश्नोई के बयान का बचाव करते नजर आए।

मेरे अकाउंट से सदस्य बनाने का ठेका मांगने फोन आया- जबलपुर के पाटन से बीजेपी विधायक अजय विश्नोई ने ङ्क पर लिखा- भाजपा के सदस्य बनवाने हैं तो पैसा खर्च कीजिए। आज मेरे फोन पर फोन नंबर +917880298199 से फोन आया। ये एक एजेंसी का फोन था, जो मेरे अकाउंट से भाजपा के सदस्य बनाने का ठेका मांग रहा था।

मैंने लोगों को विज्ञापन छपवा कर नेता बनते देखा है- विश्नोई ने आगे लिखा- जाहिर है ऐसी और भी एजेंसी होंगी। जिनकी सेवाएं लेकर गणेश परिक्रमा करने वाले आधारहीन नेता संगठन की नजर में बड़े बनने की कोशिश में लगे होंगे। मैंने पहले भी कुछ लोगों को विज्ञापन छपवा कर, नेताओं के सम्मान, स्वागत और घर के भीतर अपनी सेवाएं देकर नेता बनते देखा है। इस बार यह नया ट्रेंड देखने में आ रहा है। जहां पैसा खर्च करके अपने अकाउंट से बनने वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाकर लोग बड़ा नेता बनने में लगे हैं। इस गिरावट पर हम पुराने कार्यकर्ता अफसोस करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते।

जीतू पटवारी बोले- भाजपा कर रही फर्जी आंकड़ों का प्रचार- अजय बिश्नोई के ट्वीट पर मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने एक्स पर लिखा- फर्जी आंकड़ों का प्रचार-प्रसार कर अपना सदस्यता अभियान चलाने वाली भाजपा की पोल अब खुद भाजपा के विधायक ही खोल रहे हैं। भाजपा लगातार 20 वर्षों से अत्याचार, उत्पीड़न, भुखमरी और गरीबी में मध्य प्रदेश के आंकड़े बढ़ा ही रही है। अब एजेंसियों की मदद लेकर अपने सदस्यता अभियान के आंकड़े भी फर्जी तरीके से बढ़ा रही है।

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में वार्ड ब्वॉय-टेक्नीशियन की हड़ताल खत्म

4 महीने से सैलरी नहीं मिलने पर की थी हड़ताल, आज मिलेगा दो महीने का वेतन

भोपाल (नप्र)। हमीदिया अस्पताल के वार्ड ब्वॉय और टेक्नीशियन की हड़ताल खत्म हो गई है। इसके साथ ही सभी कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। मंगलवार सुबह चार महीने से वेतन नहीं मिलने के चलते लगभग 500 कर्मचारी हड़ताल पर चले गए थे। इसके चलते सुबह से ही यहां आने वाले मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब बुधवार को दो महीने का वेतन और दिपावली से पहले बोनस मिलने के आश्वासन के बाद कर्मचारी काम पर वापस लौट आए हैं।

इसलिए नहीं मिल पा रही थी सैलरी- सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एजाइल कंपनी को पिछले 6 महीने से जीएमसी द्वारा कोई पेमेंट नहीं किया गया है। इसके चलते कंपनी ने कर्मचारियों की सैलरी रोकी थी। एजाइल को जीएमसी के द्वारा करीब 12 करोड़ से अधिक की रकम अभी दी जानी थी। बताया जा रहा है कि फिलहाल शासन स्तर पर अभी 3 करोड़ रुपए की राशि कंपनी को दी जा रही है। जिसके बाद हडताली कर्मचारियों को बुधवार को 2 महीने की सैलरी और दिवाली से पहले बोनस दे दिया जाएगा।

आश्वासन के बाद भी हड़ताल कर रहे कर्मचारी

हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक सुनील टंडन ने आश्वासन दिया कि बुधवार तक इन कर्मचारियों की 2 महीने की सैलरी और दीवाली से पहले इनका बोनस दे दिया जाएगा। इसके बाद भी कर्मचारी हड़ताल पर डटे हुए थे। सुनील टंडन ने सैलरी देरी से आने का कारण प्रोसेसिंग को बताया है।

कर्मचारियों की मांग- जिस विभाग में काम, वहीं से मिले वेतन

वार्ड ब्वॉय रज्जू लाल ने कहा, हमारी मांग है कि जिस विभाग में हम काम कर रहे हैं, उसी विभाग से पेमेंट दिया जाए। वार्ड ब्वॉय, हाउस कीपिंग, लैब टेक्नीशियन, ऑपरेटर किसी की भी पेमेंट नहीं आई है। हम लोग पेमेंट के लिए कई बार लगातार आवेदन दे चुके हैं। लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया है। अगर हमारी बात नहीं सुनी गई, तो हम यहां से जिला कलेक्टर के पास जाएंगे। इसके अलावा हम मुख्यमंत्री के सामने भी अपनी परेशानी बताएंगे।

पर्चा नहीं बनने से हो रही परेशानी

आष्टा से आए मरीज के परिजन बताया कि वे सुबह से अपनी पत्नी को लेकर आए हैं। पत्नी को दर्द की शिकायत है, मगर पर्चा नहीं बनने की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संपादकीय

भारत का कनाडा को करारा जवाब

अपनी आंतरिक राजनीतिक मजबूरी और एक अलगाववादी की हत्या को मुद्दा बनाकर मित्र देश से सम्बंध खराब करने हद तक जाना न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता है बल्कि कूटनीतिक मूर्खता भी है। बरसों से भारत के मित्र रहे कनाडा में इन दिनों यही हो रहा है। वहां भारतीय उच्चायुक्त पर अलगाववादी सिख हरदीपसिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारतीय उच्चायुक्त का हाथ होने का गंभीर आरोप लगाकर कनाडा ऐसा कदम उठाया है, जिसका मकसद ही भारत से अपने रिश्तों को दांव पर लगाना है। भारत ने इस आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि आरोप बेबुनियाद है और कनाडा ने आज तक इस बारे में कोई ठोस सबूत भारत सरकार को नहीं दिए हैं। यही नहीं भारत सरकार ने कनाडा के 'डिप्लोमेटिक कम्युनिकेशन' को खारिज करते हुए कनाडा से अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का फ़ैसला किया है। साथ ही भारत ने कनाडा के दिल्ली स्थित उच्चायोग को समन भी भेजा है। दूसरी तरफ भारत ने कनाडा के कार्यकारी उच्चायुक्त समेत छह राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। इन्हें 19 अक्टूबर की आधी रात तक देश छोड़ने का आदेश दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा में भारतीय उच्चायोग और अन्य राजनयिकों पर बेबुनियाद निशाना अस्वीकार्य है। सोमवार शाम भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडा की 'ट्रूडो सरकार के रवैए के कारण भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा खतरे में है। हमें वर्तमान सरकार पर कोई भरोसा नहीं है। इसी कारण हमने अपने उच्चायुक्त समेत अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का फ़ैसला किया है। हमने कनाडा को बता दिया है कि ट्रूडो सरकार जिस तरह से भारत के खिलाफ़ अलगाववाद और अतिवाद का समर्थन कर रही है, उसके खिलाफ़ भारत के पास जवाब देने का अधिकार है। 'उधर नई दिल्ली स्थित कनाडा के उच्चायोग ने कहा है कि कनाडा की ज़मीन पर कनाडाई नागरिक की हत्या के मामले में भारतीय एजेंट और उनके भारत की सरकार से संबंध से जुड़ा ठोस सबूत सौंप दिया है।' कनाडा सरकार का पक्ष अपनी जगह है। लेकिन इस विवाद को आपसी समझ से भी सुलझाया जा सकता था। लेकिन लगता है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने टकराव का रास्ता अपनाया हुआ है। कनाडा में अगले साल चुनाव होने हैं और ट्रूडो वहां अलगाववादी सिख आबादी को साधने में लगे हैं। इस सच्चाई के बावजूद के भारत में रहने वाले ज्यादातर सिख खालिस्तान नहीं चाहते। वो भारत में सुरक्षित हैं और उनके तमाम तीर्थ स्थल भारत में हैं।' लेकिन ट्रूडो खालिस्तानी सिखों के भारी दबाव में हैं और उन्हीं के इशारों पर काम कर रहे हैं। उन्हे लगता है कि खालिस्तानियों को खुश कर चुनाव में वो अपनी कुर्सी फिर बचा लेंगे। अमूमन कोई भी परिपक्व राजनेता ऐसा नहीं करता। क्योंकि मामला सिर्फ खालिस्तानियों को खुश करने का नहीं है, दो देशों के बीच अब तक मधुर रहे रिश्तों को बचाने का भी है। कनाडा का यह आरोप रहा है कि निज्जर कनाडाई नागरिक था और उसकी हत्या में कनाडा के भारतीय राजनयिक का हाथ है। यह कनाडा की सम्प्रभुता का उल्लंघन है। लेकिन ट्रूडो इस बात को स्वीकार नहीं करते कि उनके देश की धरती भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा कौन और क्यों दे रहा है। कुछ असंतुष्ट खालिस्तान की मांग कर रहे हैं। लेकिन भारत को विभाजित करने वाले इन तत्वों को हवा कौन दे रहा है, इस बात को समझा जाना चाहिए। जाहिर है कि ट्रूडो सरकार के इस रवैये से भारत और कनाडा के मजबूत रिश्तों में गहरी दरार पड़ती जा रही है। लगता है ट्रूडो अपने पैरों पर ही कुल्हाड़ी मार रहे हैं।

नजरिया

तनवीर जाफरी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मध्य पूर्व में होता 'समुद्र-मंथन'

पूरा विश्व गोया इस समय बारूद के ढेर पर बैठा हुआ है। सामने से तो यही नज़र आ रहा है कि एक तरफ़ कल तक सोवियत संघ के रूप में साथ रहने वाले दो देश रूस व यूक्रेन युद्धरत हैं तो दूसरी तरफ़ इजराईल बनाम ईरान-हमास -लेबनान व हूती के बीच युद्ध चल रहा है। परन्तु दरअसल इन दोनों ही खूनी संघर्षों के पीछे उसी अमेरिका की मुख्य भूमिका है जो दुनिया में सबसे अधिक अमन पसंदी, शांति, मानवाधिकार, लोकतंत्र और आतंकवाद को कुचलने जैसी बातें करता है। परन्तु जहाँ अमेरिका को अपने राजनैतिक हित साधने होते हैं वहां उसके यह सभी आदर्श धरे के धरे रह जाते हैं। इस समय अमेरिकी शह और उसी के भरोसे पर जहां यूक्रेन, रूस जैसी महाशक्ति से टकरा कर स्वयं को तबाह कर बैठा है वहीं इजराईल भी अमेरिका की ही सरपरस्ती में खूनी खेल खेलने में लगा हुआ है। पश्चिमी देशों की शह पर ही वह इजराईल जिसने कभी रहम की भीख मांगकर अरब की सरज़मीं पर अपने अस्तित्व को बचाया था। वह इजराईल जिसे लेकर पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने यह निर्णय दिया है कि फ़िलिस्तीनी क़ब्ज़े वाले क्षेत्रों में इजराईल की उपस्थिति 'ग़ैर क़ानूनी' है। जिसके बारे में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने कहा है कि इजराईल ने पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में क़ब्ज़ा करने, स्थायी नियंत्रण लगाने और बस्तियां बनाने की नीतियों को लागू करके, वहां क़ब्ज़ा करने वाली शक्ति के रूप में अपनी स्थिति का दुरुपयोग किया है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने यह भी कहा है कि इस तरह की हरकतें 'क़ब्ज़े वाले फ़िलिस्तीनी क्षेत्र में इजराईल की मौजूदगी को ग़ैर क़ानूनी' बनाती हैं। इस क्षेत्र में इजराईल की निरंतर मौजूदगी 'अवैध' है और इसे 'जितनी जल्दी हो सके' समाप्त किया जाना चाहिए। वही अवैध राष्ट्र आज उन्हीं अरब क्षेत्र के लोगों की जान का न केवल दुश्मन बना हुआ है बल्कि अमेरिकी शह और अपनी सैन्य शक्ति के बल पर इसी धरती पर 'ग्रेटर इजराईल' के गठन का सपना भी संजोये बैठा है।

इन हालात को पैदा करने के लिये अमेरिका ने दशकों से एक बड़ी साज़िश रची है। अमेरिका व इजराईल ने शिया-सुन्नी विवाद का फ़ायदा उठाकर अरब देशों के सामने ईरान का हौव्वा खड़ा करने का एक सफल चक्रव्यूह रचा। अरब देशों के सामने ईरान को विलेन के रूप में पेश किया और अमेरिकी संरक्षण में उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया। इसके बदले में अमेरिका सऊदी अरब सहित मध्य पूर्व के और भी कई तेल उत्पादक देशों से ईरान से सुरक्षा के नाम पर अपनी मर्ज़ी की क़ीमत पर तथा मनचाही मात्रा में तेल दोहन किया करता है। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका के इन पिछलग्गू अरब देशों को अपने अपने देश में लोकतंत्र का गला घोंटने,किसी भी तरह का दमन चक्र चलाने, मानवाधिकारों का हनन करने अपनी बादशाहत चलाने व तानाशाही की भी खुली छूट है। मध्य पूर्व के अनेक देश ऐसे भी हैं जिनकी पूरी अर्थव्यवस्था अमेरिका के हाथों गोया गिरवी रखी हुई।

अब इस क्षेत्र में कोई बड़ी ताक़त सर न उठा सके अपने इसी षड्यंत्र के तहत अमेरिका ने पहले तो इराक़ को तबाह किया फिर ईरान को आतंकी देश और शैतान की धुरी तथा इसे समूचे अरब जगत के लिये ख़तरा बताना शुरू कर दिया। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों में आतंक की इबारत लिखने व करोड़ों बेगुनाहों की मौत का ज़िम्मेदार अमेरिका ही अब ख़ुद यह तय करता है कि कौन सा देश आतंकी है, कहाँ की सेना आतंकी है, और कहाँ का शासक आतंकवाद का संरक्षक है। तेल ख़रीदने, हथियार बेचने और वर्चस्व के इसी घिनौने खेल में इस समय इजराईल, अमेरिका का मोहरा बनकर ग़ाज़ा से लेकर लेबनान तक क़हर बरसा रहा है। क्या अस्पताल क्या स्कूल क्या रिहायशी इलाक़े तो क्या शरणार्थी कैम्प, बाज़ार, बच्चे, बूढ़े महिलायें कोई भी कहीं भी अमेरिकी शह पर होने वाली इजराईली सैन्य कार्रवाई ख़ासकर हवाई बमबारी से सुरक्षित नहीं है।

इसके बावजूद ईरान ने अपने जनरल क़ासिम सुलेमानी हमास प्रमुख इस्माईल हनिया व हिज़्बुल्ला सुप्रीमो हसन नसरुल्लाह की हत्या के बाद पिछले दिनों इजराईल पर रॉकेट की बौछार कर यह जता दिया कि ईरान की पृष्ठभूमि व इनकी नस्ल वह नहीं जो सांसारिक शक्तियों के आगे घुटने झुका दे। हज़रत मुहम्मद,व उनके घराने के हज़रत अली व हुसैन को मानने वाली ईरानी नस्ल का रिश्ता उस हुसैन के घराने से है जिसने 1450 वर्ष पूर्व अपने समय की महाशक्ति सीरयाई यज़ीदी सेना के आगे अपना सिर नहीं झुकाया था। जबकि निश्चित रूप से अमेरिका व इजराईल की गोदी में खेलने वाले वही अरब शासक हैं जिनके पूर्वज जैसे आज अमेरिका की ग़ुलामी में लगे हैं उसी तरह 1450 वर्ष पूर्व भी यही लोग यज़ीदी सेना के हिमायती थे और हुसैन के क़त्ल व करबला की घटना के ज़िम्मेदार थे। यही ईरान उस समय तक अमेरिका की आँखों का तारा था जब तक यहाँ का शाह पहलवी अमेरिका की गोद में बैठा रहता था परन्तु इस्लामी क्रांति के बाद जब से ईरान ने अमेरिका नहीं बल्कि 'ईश्वर महान है' की नीति पर चलना शुरू किया तब से ईरान, अमेरिका को शैतान व आतंकी नज़र आने लगा ?

अलक़ायदा हो या आई एस आई एस,पूरी दुनिया जानती है कि आतंक के पर्याय समझे जाने वाले यह दोनों ही आतंकी संगठन अमेरिका की ही सरपरस्ती में खड़े किये गए। ओसामा बिन लादेन व तालिबानी प्रमुख मुल्ला उम्र को तो सऊदी अरब का भी संरक्षण हासिल था। याद कीजिये इन आतंकी संगठनों की कैसे कैसी दिल दहलाने वाली विडिओ बाक़ायदा एक बड़ी साज़िश के तहत टी वे पर दिखाई जाती थी जिसमें यह दुर्दांत आतंकी लोगों को लाइन में खड़ाकर कभी गोली मारते तो कभी सर क़लम करते तो कभी ज़िंदा दफ़्न करते दिखाई देते थे। आतंकियों को यह छूट इसीलिये मिली थी ताकि उनकी इन वहशियाना हरकतों के चलते इस्लाम को बदनाम किया जा सके व इसे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले धर्म के रूप में प्रचारित किया जा सके। काफ़ी हद तक अपने इस मिशन में अमेरिका व इस्राईल को सफलता भी मिली। दूसरी तरफ़ जनरल क़ासिम सुलेमानी व हिज़्बुल्लाह सुप्रीमो हसन नसरुल्लाह जैसे निडर रहबर ही थे जिन्होंने अमेरिका व इस्राईल द्वारा पोषित आई एस आई एस की कमर तोड़ कर रख दी। इनके विरुद्ध जिहाद बोलकर सीरिया,इराक़ व आसपास के क्षेत्रों से इन्हें खदेड़ कर इनका वजूद ही समाप्त कर दिया।

इन परिस्थितियों में अरब जगत इस समय एक बड़े 'समुद्र मंथन' के दौर गुज़र रहा है। अरब के चाटुकार शासक भले ही अवैध राष्ट्र इज़राईल व अमेरिका की गोद में बैठकर अपनी बुज़दिली का सुबूत क्यों न दे रहे हों परन्तु अरब की अवाम ईरान द्वारा फिलिस्तीनियों के हक़ में इस्राईल पर किये गये मिसाईल हमलों को बड़ी ही उम्मीद व हसरत भरी नज़रों से देख रही है। इस 'समुद्र मंथन' के परिणाम स्वरूप अरब जगत में आने वाले दिनों में कोई बड़ी उथल पुथल भी दिखाई दे सकती है।

विश्व खाद्य दिवस

ललित गर्ग

लेखक स्तंभकार हैं।

भुखमरी से निजात कब मिलेगी?

विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर को दुनिया भर में हर साल मनाया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है। 1945 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना उपलक्ष्य में यह दिवस भूख और खाद्य सुरक्षा से संबंधित कई अन्य संगठनों द्वारा व्यापक रूप से मनाया जाता है, जिसमें विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कृषि विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोष शामिल हैं। डब्ल्यूएफपी को भूख से लड़ने, संघर्ष क्षेत्रों में शांति में योगदान देने और युद्ध और संघर्ष के लिए हथियार के रूप में भूख के इस्तेमाल को रोकने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2020 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला। साल 2024 की थीम है बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार।' आज भारत एवं अन्य देशों में भोजन की बर्बादी को रोकना भी प्रमुख प्राथमिकता बननी चाहिए। भारत सरकार भी हर व्यक्ति तक भोजन की पहुँच और विशेष रूप से कमज़ोर वर्ग के लिए 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' व अंत्योदय अन्न योजना जैसे कार्यक्रम चलाती है।

विश्व की करीब दो अरब तीस करोड़ आबादी को भुखमरी एवं भूख का सामना करना पड़ रहा है। दो वक्त की भोजन सामग्री जुटाने के लिए इस आबादी को जिन मुश्किलों, संकटों एवं त्रासद स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, वह विश्व की सरकारों एवं व्यवस्थाओं के विकास के बयानों को बेमानी सिद्ध करता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध ने भुखमरी को विकट बनाने में अहम भूमिका निभाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया 2030 तक सभी रूपों में भूख, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य और कुपोषण को खत्म करने के अपने लक्ष्य से और दूर जा रही है। लेकिन भारत-सरकार के प्रयासों से भारत में कुपोषण एवं भूखमरी से उबरने की सफल कोशिशें हो रही है। भारत की टिकाऊ और स्वस्थ खाने की आदतों की दिशा में प्रगति स्पष्ट है। खेत से लेकर मेज तक का आंदोलन जोर पकड़ रहा है, जो उपभोक्ताओं को ताजा, स्थानीय रूप से प्राप्त उपज से जोड़ रहा है। खाद्य उद्यमियों की सफलता की कहानियाँ लचीलापन और नवाचार को दर्शाती हैं, जो एक जीवंत खाद्य परिदृश्य में योगदान देती हैं। अत्याधुनिक खाद्य प्रौद्योगिकी नवाचारों के साथ, भारतीय खाद्य उद्योग विकसित हो रहा है, जिससे दक्षता और कम बर्बादी सुनिश्चित हो रही है।

कुपोषण और भुखमरी से जुड़ी वैश्विक रिपोर्टें न केवल चौंकाने बल्कि सरकारों की नाकामी को उजागर करने वाली ही होती हैं। विश्वभर की शासन-व्यवस्थाओं का नाकामी एवं शैतानों की शरणस्थली बनना एक शर्मनाक विवशता है। लेकिन इस विवशता को कब तक ढोते रहेंगे और कब तक दुनिया भर में कुपोषितों का आंकड़ा बढ़ता रहेगा, यह गंभीर एवं चिंताजनक स्थिति है। लेकिन ज्यादा चिंताजनक यह है कि तमाम कोशिशों और दावों के बावजूद कुपोषितों और भुखमरी का सामना करने वालों का आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले हर बार बढ़ा हुआ ही निकलता है। रिपोर्टें बताती हैं कि ऐसी गंभीर समस्याओं से लड़ते हुए हम कहां से कहां पहुंचे है। इसी में एक बड़ा सवाल यह भी निकलता है कि जिन लक्ष्यों को लेकर दुनिया के देश सामूहिक तौर पर या अपने प्रयासों के दावे करते रहे, उनकी कामयाबी कितनी नगण्य एवं निराशाजनक है। कुपोषण, गरीबी, भूख में सीधा रिश्ता है। यह दो-चार देशों ही नहीं, बल्कि दुनिया के बहुत बड़े भूभागों के लिए चुनौती बनी हुई है। दुनिया से लगभग आधी आबादी इन समस्याओं से जूझ रही है। इसलिए यह सवाल तो उठता ही रहेगा कि इन समस्याओं से जूझने वाले देश आखिर क्यों नहीं इनसे निपट पा रहे हैं? इसका एक बड़ा कारण आबादी का बढ़ना भी है। गरीब के संतान ज्यादा पैदा होती है क्योंकि कुपोषण में आबादी ज्यादा बढ़ती है। विकसित राष्ट्रों में आबादी की बढ़त का अनुपात कम है, अविकसित और निर्धन राष्ट्रों की आबादी की बढ़त का अनुपात ज्यादा है। भुखमरी पर स्टैंडिंग टुगेदर फॉर न्यूट्रीशन कंसोर्टियम ने आर्थिक और पोषण डाटा इकट्ठा किया, इस शोध का नेतृत्व करने वाले सासकिया ओसनदार्प अनुमान लगाते हैं कि जो महिलाएं अभी गर्भवती हैं वो ऐसे बच्चों को जन्म देंगी जो जन्म के पहले से ही कुपोषित हैं और ये बच्चे शुरू से ही कुपोषण के शिकार रहेंगे। एक पूरी पीढ़ी दांव पर है।'' अफ्रीकी देशों से आने वाली तस्वीरें डराती हैं। खाने के एक-एक पैकेट के लिए हजारों की भीड़ उमड़ पड़ती है। ऐसे में पौष्टिक भोजन की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। महंगाई के कारण मध्य और निम्न वर्ग के लोग अपने खान-पान के खर्च में भारी कटौती के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे में एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए निर्धारित मानकों वाले खाद्य पदार्थ उनकी पहुंच से दूर हो जाते हैं। पौष्टिक भोजन के अभाव में लोग गंभीर बीमारियों की जद में आने लगते हैं। गरीब मुल्कों की मदद के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम को तेज करने की जरूरत है। विकासशील देशों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो गरीबी, कुपोषण एवं भुखमरी दूर कर सकें। सत्ताएं ठान लें तो हर नागरिक को पौष्टिक भोजन देना मुश्किल भी नहीं है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी बाधा शासन-व्यवस्थाओं में बढ़ता भ्रष्टाचार है। गलत जब गलत न लगे तो यह मानना चाहिए कि बीमारी गंभीर है। बीमार व्यवस्था से स्वस्थ शासन की उम्मीद कैसे संभव है? संयुक्त राष्ट्र की ताजा वैश्विक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट में दुनिया में भुखमरी की स्थिति पहले के मुकाबले ज्यादा विकराल होने की स्थितियां तमाम विकास की तस्वीरों पर एक बदनुमा दाग है। दुनिया में उभरती आर्थिक महाशक्तियों, व्यवस्थाओं एवं विकास के बीच भूखे लोगों की तादाद में इजाफा होना दुनिया के विकास एवं संतुलित समाज की संरचना पर एक गंभीर प्रश्न है। कहीं-ना-कहीं दुनिया के विकास मॉडल में खामी है या वर्तमान सरकारों की कथनी और करनी में फर्क है। ऐसा लगता है कि विकास के लुभावने स्वरूप को कामयाबी माना जाने लगा है, लेकिन इसके बुनियादी पहलुओं को केंद्र में रखकर जरूरी कदम नहीं उठाए गए या उन पर अमल नहीं किया गया, तभी भूखमरी एवं भूखे लोगों की विडम्बनापूर्ण स्थितियां सुरसा की भांति बढ़ती ही जा रही है। यह कैसी संवेदनहीनता एवं उपेक्षापूर्ण मानसिकता है कि भूखमरी एवं कुपोषण की त्रासद एवं खौफनाक मसले पर किसी नई रिपोर्ट पर हैरानी तक नहीं होती, मगर इससे इतना जरूर पता चलता है कि विश्वभर में नीतियां बनाने और उन्हें लागू करने को लेकर कोई संतुलित रुख नहीं अपनाया जाता। यह शासन व्यवस्थाओं की नीति एवं नियत में खोट को ही दर्शाता है।

हमारी दुनिया विरोधाभासी एवं विडम्बनाओं से ग्रस्त है। एक तरफ भूखमरी तो दूसरी ओर महंगी दावतों और धनाढ्य वर्ग की विलासिताओं के अम्बार, बड़ी-बड़ी दावतों में जूठन की बहुतायत मानवीयता पर एक बदनुमा दाग है। इस तरह व्यर्थ होने वाले भोजन पर अंकुश लगाया जाए, विज्ञापन कंपनियों को भी दिशा निर्देश दिए जाएं, होटलों और शैक्षिक संस्थानों, दफ्तरों, कैंटीनों, बैठकों, शादी और अन्य समारोहों और अन्य संस्थाओं में खाना बेकार न किया जाए। इस भोजन का हम अपने समाज की बदहाली, भूखमरी और कुपोषण से छुटकारे के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकारों के भरोसे ही नहीं, बल्कि जन-जागृति के माध्यम से ऐसा माहौल बनाना चाहिए। आखिर में खुद से पूछना चाहिए कि क्या हम अशांत, अस्थिर, हिंसक और अस्वस्थ समाज चाहते हैं या उसे बदलना चाहते हैं? क्या हम भुखमरी एवं भूखे लोगों की दुनिया के नागरिक होना चाहते है या खुशहाल एवं साधन-सम्पन्न नागरिकों की दुनिया के नागरिक?

आखिर आम आदमी करे तो क्या करें?

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

किसी एक समय में कोई मामला उठता है, धीरे धीरे परवान चढ़ने लगता है और मीडियाई सुर्खियों में छा जाया करता है। देखते ही देखते उसमें राजनीति का प्रवेश हो जाता है। इधर वाले ऐसा कहते हैं और उधर वाले वैसा कहते हैं। कोई इसकी तरफ हो जाता है और कोई उसकी तरफ हो जाता है। समय के साथ-साथ आखिरकार मामला पुराना होने लगता है। फिर उसमें किसी को रस नजर नहीं आता और मामला ठंडा पड़ जाता है। यह सिलसिला वैसे तो दशकों से जारी था, लेकिन आम आदमी के जनजीवन पर इसका व्यापक प्रभाव नहीं था। किंतु आजकल के सोशल मीडिया के जमाने में आदमी के सामने जमाने भर की जानकारी आ जाती है।

कल सब जिस बात को केवल इक्का-दुक्का लोग ही जानते और समझते थे, आज आम आदमी की पंहुच में सारे जहां की ऐसी-वैसी बातों का समावेश हो गया है। पल भर के लिए भी पत्थर से पत्थर रगड़ा जाए तो चिंगारी निकले या न निकले, लेकिन चिंगारी की संभावना ही ज्वाला की तपन का एहसास करा जाती है। आए दिन घटना पर घटना घट रही है, घटनाएं भी ऐसी कि देखते-सुनते ही सारे बदन में कंपकपी आ जाए और आदमी असुरक्षा की भावना से भर जाए। कहते हैं कि समय हर एक जख्म को भर देता है। घटना दुर्घटना के मामले में भी यही होता है कि आदमी के चेतन और अवचेतन मन से वह भय निकल जाता है, जो उसे किसी समय चिंतातुर कर चुका हो।

कोई घटना कितनी ही गंभीर क्यों न हो, इसका असर सकल समाज पर क्षणिक रूप से ही दिखाई देता है। इसका एक कारण यह भी है कि आए दिन एक से बढ़कर एक लोमहर्षक घटनाओं की बाढ़ सी आने लगी है। बदलते समय के साथ-साथ अपराध करने के तरीके भी बदल गए हैं। अपराध की दुनिया में तकनीक का जमकर सहारा लिया जा रहा है। वैसे तो हर एक अपराध के लिए अलग-अलग स्तर की सजा का पर्याप्त प्रावधान है, लेकिन अपराध है कि थमने का नाम नहीं लेते। विलंबित न्याय भी अन्याय के प्रतिरूप में दिखाई देता है। इसके अनेक कारण है, जिसे आम आदमी शिद्दत से महसूस करने लगा है। वैसे इसके अलावा वह करें भी तो क्या ?

आखिर क्या कारण है कि अपराध करने के दौरान अपराधी को कानून का इतना डर नहीं होता जितना कि स्वाभाविक रूप से होना चाहिए? माना कि कुछ अपराध परिस्थितिजन्य हुआ करते हैं। आक्रोश या भावावेश में भी अपराध घटित हो जाया करते हैं। लेकिन अलग-अलग तरह के अपराधों पर गौर करें, तो शायद सुनियोजित अपराध की ही अधिकता होगी। इसके मूल में अन्य कारणों के साथ-साथ दूषित राजनीति भी काफी हद तक जिम्मेदार है। अनेक मामले ऐसे भी आए हैं कि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिला होने के चलते कानून और व्यवस्था के परिपालन में व्यवधान आने लगा हो। धनबल और बाहुबल की महत्ता काफी हद तक स्थापित हो चुकी है।

इन तमाम हालातो में आम आदमी की यह लाचारी हो चली है कि वह परिस्थितियों से समझौता करके चले। यह स्थिति प्रकारांतर से अपराधियों के हौसले बढ़ा देने में मुख्य रूप से सहायक होने लगी है। आम आदमी छोटे-बड़े मामलों को सुलझाने के लिए केवल और केवल कानून और व्यवस्था पर ही निर्भर नहीं है। दरअसल उसके सामने हर छोटी-बड़ी उलझनों को सुलझाने के नए-नए विकल्प मौजूद है। जिसका सहारा लेकर वह अपनी समस्या के समाधान के प्रति निश्चिंतता का अनुभव कर सकता है। गहराई से देखा जाए तो यह स्थिति और अधिक चिंता का कारण बनती दिखाई देती है। इस समानांतर व्यवस्था पर अंकुश जरूरी है।

आजकल के जमाने में सच को भी सच कहने के खतरे बढ़ गए हैं। एक प्रकार से झूठ को पंख लग गए हैं, जो उसकी ऊंची उड़ान का कारण बन गए हैं। अब कोई क्या है ? कैसा है ? और क्यों है ? इन सवालों का जवाब मन ही मन समझने के अतिरिक्त आम आदमी के सामने और कोई विकल्प नहीं है। ऐसा नहीं है कि व्यवस्था के नियंता इन तमाम बातों से अनभिज्ञ हो, लेकिन कहीं न कहीं उनकी ऐसी लाचारी भी होती है, कि चाह कर भी कुछ नहीं कर सकते। मुद्दे की बात यह कि इस समय सामाजिक परिवेश में साफ-सुथरा सात्विक वातावरण कम ही दिखाई देता है। छल-कपट और प्रपंच की अधिकता इन तमाम परिस्थितियों में कैसे भविष्य का संकेत दे रही है ? आखिर यह जवाबदेही किस पर डालें ?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

(व्यंग्यकार और लेखक)

दफ्तर में वसंत

वे अपने पीले दांत दिखाते हुये आये थे मेरे पास। एक पल हंसते रहने के बाद बोले-'शर्मा फाइल से नजर हटाओ तो एक बात कहूं ?' मैंने फाइल में नजर गड़ाये हुये ही कहा-'हाँ कहो, क्या बात है ?'

वे धीरे से फुसफुसाकर बोले-'सुनो कल वसंत पंचमी है। दफ्तर में भी आयेगा वसंत।'

मैंने फाइल से नजरें हटाई, चेहरे पर हाथ फेरा और बोला हैरत से-'दफ्तर में भी आयेगा वसंत ! क्या कह रहे हो यार, इससे पहले क्यों नहीं आया यह मुआ वसंत ?'

वे बोले-'शर्मा वसंत हर वर्ष आता है लेकिन तुम कोई ध्यान ही नहीं देते। इसमें बेचारा वसंत क्या करे ?' वे अभी तक अपने पीले दांतों से हंस रहे थे।

मैं बोला-'हर साल आता है वसंत, तुमने कभी बताया तो नहीं। मैं भी देख लेता गोपाल बाबू उसे। सच कहूँ मैंने वसंत को कभी नहीं देखा। सुना जरूर है कि वसंत में फूल खिल जाते हैं और पलाश दहकने लगता है।

सुना तो यह भी है कि वसंत में पतझड़ भाग खड़ा होता है और पेड़ों में नयी कोंपलें आ जाती हैं। लेकिन वसंत दफ्तर में भी आयेगा, यह पहली बार सुना है।'

गोपाल बाबू बोले-'तुमने सही सुना है शर्मा, प्रकृति वसंत में सोलह श्रृंगार करती है। फूल भी खिलते हैं। इस बार वसंत दफ्तर में आयेगा-मेरा मतलब वसंत जी आ रहे हैं, वे कल ज्वाइन करेंगे।'

'मेरी समझ में तुम्हारी एक भी बात नहीं आ रही। जरा खोलकर समझाओ वसंत जी कल ज्वाइन कैसे करेंगे ?' मैं बोला।

गोपाल बाबू अपनी मुसकान को जारी रखते हुए बोले-'वे एक नम्बर के करप्ट हैं, मेरा मतलब वसंत जी से है। यदि उन्होंने कल ज्वाइन कर लिया है तो पूरा दफ्तर वसंत की खुशबू से भर उठेगा।

सारे दिन फाइलों से सिरफोड़ी करने की जरूरत नहीं रहेगी शर्मा, वे मक्कार भी हैं। तुम्हारे चश्मे के नम्बर अब नहीं बढ़ेंगे। इसी चश्मे से हो जायेगा रिटायरमैंट। पांच वर्ष में हम इतना कमा लेंगे कि गरीबी से निजात मिल जायेगी।'

'मेरी धड़कनों को क्यों तेज करने पर तुले हो गोपाल बाबू। मुझसे वसंत जी की सारी अंतर्कथा जरा खोलकर समझाओ। मैं वसंत को अपनी झोली में भर लेना चाहता हूँ।'

मैंने कहा तो गोपाल बाबू ने अपनी मुसकान को और अधिक सघन किया और बोले-'यह खुशखबरी मैं तुम्हें यों ही नहीं दूंगा, पहले चाय समोसे का आर्डर तो देवो।' मैंने चपरासी से जब चाय समोसा लाने को कहा तो वे अपनी बदबूदार सांसे मेरे मुंह में भरकर बोले-'वसंत जी हमारे नये अफसर हैं। सुना है कल वसंत पंचमी को यहाँ ज्वाइन करेंगे।

भ्रष्टाचार के मामले में तीन बार सस्पैंड रह चुके हैं, लेकिन हर बार बेदाग निकल आये। उन्होंने ज्वाइन कर लिया तो पूरे दफ्तर के पौ बारह हैं। मेरा मतलब वसंत ही वसंत। दोनों हाथों से लूटो। पूरा दफ्तर वसंतमय हो जायेगा।'

मैं खुशी से नाच उठा और बोला-'गोपाल बाबू तुम्हारे मुंह में घी शक्कर। यह खडूस ईमानदारी का पुतला वर्मा कब जा रहा है ?'

गोपाल बाबू मेरे कंधे थपथपाते हुये बोले-'घबराओ मत शर्मा, आज आफ्टर नून में रिलीव हो जायेगा और कल आ जायेगा दफ्तर में वसंत। कल मनाओ जी भरकर वसंत पंचमी। करप्ट अफसर बड़े भाग्य से मिलता है। हमारे बच्चों के भाग्य में लिखा था यह वसंत। अपनी पूरी झोली भर लेना इस वसंत के राज में शर्मा।'

समाज

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

सोशल मीडिया में डूब जाना सामाजिक होने की गारंटी नहीं

सोशल मीडिया पर आदमी इतना ज्यादा एक्टिव हो जाता है कि उसका जो रूप दिखता है वह असली रूप की जगह आभासी रूप ही होता है। यहां जैसा दिखता है जरूरी नहीं कि वह वास्तव में वैसा हो ही । यहां पर आदमी स्वाभाविक प्रतिक्रिया देने की जगह बनावटी प्रतिक्रिया और केवल अपनी सोशल उपस्थिति को जस्टिफाई करने की प्रतिक्रिया देने लगता है । पढ़ते ही आप समझ सकते हैं कि यह प्रतिक्रिया या लाइक्स केवल इसलिए है कि औरों ने दिया है तो हमें भी दे देना चाहिए । यह अपने को सामाजिक सिद्ध करने की कवायद भर होती है। या एक काम निपटाने जैसा भाव होता है कि चलों यह एक कार्य है और इसे कर लेते हैं । यह बराबर से लगता है कि ऐसा सभी के साथ नहीं तो ज्यादातर के साथ होता है। यह एक सामाजिक माध्यम है और इसे इसी रूप में लेना चाहिए। बहुत बार ऐसा भी होता है कि लोग-बाग सोशल मीडिया पर इतना ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं कि उन्हें अपनी दुनिया अपने होने के लिए जगह ही नहीं मिलती।

फेसबुक और सोशल मीडिया हमारी दुनिया को विस्तार देते है तो वहीं कई बार इसका अत्यधिक प्रयोग मस्तिष्क को बोदा भी बना देता है। दिमाग काम करना बंद कर देता है। सही और स्वाभाविक ढ़ंग से सोचने की जगह लोग वहीं सोचने लगते हैं जो सोशल मीडिया सोचने को कहता है पर इससे वास्तविक दुनिया नहीं चलती। वास्तविक कहानी और जिंदगी तो वास्तविक दुनिया से ही चलती है जिसमें आपको जीना होता है। जिंदगी को जीना और उसे सही ढ़ंग से समझना मनुष्य होने की सही पहचान है । सोशल मीडिया पर आदमी इतना ज्यादा एक्टिव हो जाता है कि उसका जो रूप दिखता है वह असली रूप की जगह आभासी रूप ही होता है। यहां जैसा दिखता है जरूरी नहीं कि वह वास्तव में वैसा हो ही । यहां पर आदमी स्वाभाविक प्रतिक्रिया देने की जगह बनावटी प्रतिक्रिया और केवल अपनी सोशल उपस्थिति को जस्टिफाई करने की प्रतिक्रिया देने लगता है । पढ़ते ही आप समझ सकते हैं कि यह प्रतिक्रिया या लाइक्स केवल इसलिए है कि औरों ने दिया है तो हमें भी दे देना चाहिए । यह अपने को सामाजिक सिद्ध करने की कवायद भर होती है। या एक काम निपटाने जैसा भाव होता है कि चलों यह एक कार्य है और इसे कर लेते हैं । यह बराबर से लगता है कि ऐसा सभी के साथ नहीं तो ज्यादातर के साथ होता है। यह एक सामाजिक माध्यम है और इसे इसी रूप में लेना चाहिए। बहुत बार ऐसा भी होता है कि लोग-बाग सोशल मीडिया पर इतना ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं कि उन्हें अपनी दुनिया अपने होने के लिए जगह ही नहीं मिलती। ऐसे लोग केवल यहीं देखते रहते हैं कि कौन कहां एक्टिव हैं और है तो क्यों है। उसके होने की पूरी कवायद दूसरों के हिसाब से ही होती है । इस तरह के लोग अपने लिए कम दूसरों के लिए ज्यादा जीते हैं। फेसबुक और सोशल मीडिया इनकी जिंदगी को कुछ ज्यादा ही प्रभावित करता है। ये सुबह से शाम तक बस एक ही काम करते हैं कि इस माध्यम पर सक्रिय होकर वास्तविक जीवन और वास्तविक संसार से कट जाते है।

फेसबुक और सोशल मीडिया पर एक्टिव लोगों की सूची बहुधा लम्बी होती है। फेसबुक और सोशल मीडिया सोशल होने जैसा दिखता है पर जरूरी नहीं कि इस माध्यम पर होने से कोई सोशल हो ही जाए। सोशल होना स्वभावगत प्रक्रिया है। यदि आप स्वभाव से सामाजिक हैं तो सोशल मीडिया पर भी आप सामाजिक ही होते हैं यदि ऐसा नहीं है तो हजारों हजार फ्रेंड भले ही क्यों न हों किसी काम के नहीं होते। वैसे बहुत ज्यादा उम्मीद और अपेक्षा रखनी भी नहीं चाहिए। आदमी दुःखी ही तब होता है जब उम्मीद और अपेक्षा ज्यादा रखता है और खुद किसी के लिए कुछ करना नहीं चाहता। बस सोचता रहता है कि सब उसके लिए दौड़ लगायें, उसके लिए काम करें तो यह तभी संभव हो सकता है जब आपके पास कुछ ऐसा हो कि आप किसी का अतिरिक्त भला कर सकें। यदि ऐसा नहीं है तो फिर आप जो कुछ और जितना करते हैं उसका फल ही आपको मिलता है । यह कर्म फल की बात सौ प्रतिशत सही है। जो किया है जैसा किया है वह लौट कर आयेगा ही आयेगा...। इस दुनिया में हर कोई अपने अपने हिसाब से, अपनी अपनी सहूलियत से सामाजिक होता है। यह तय करने का आधार ही नहीं है कि इस हिसाब से या ऐसे ही रहने को हम सामाजिक कहेंगे। मान लीजिए जिसे मैं सामाजिक समझता हूं वह जरूरी नहीं कि दूसरे के हिसाब से सामाजिक हो ही । यह सब सोच और दृष्टि पर निर्भर करता है । सामाजिक होने में घर , समाज , परिवेश ,स्कूल , कालेज और शैक्षिक माहौल के साथ साथ शैक्षिक योग्यता का भी बहुत रोल होता है । मान लीजिए किसी की ठीक से शिक्षा दीक्षा नहीं हुई तो वह सामाजिक भले हों पर शिक्षितों की सभा से दूर ही रहना चाहेगा क्योंकि यह दो दुनियाओं का मामला हो जाता है । इसलिए हमें यह देखना होगा कि कौन क्या कह रहा है तो क्यों कह रहा है और उसके कहे जाने में कितना कुछ उसके वर्ग की

भूमिका है। यदि इस तरह विचार नहीं करेंगे तो उसका आकलन भी हम ठीक से नहीं करेंगे।

हमेशा किसी भी तरह का आकलन केवल अनुमान और अपने हिसाब से नहीं करना चाहिए। आकलन में जरूरी यह हो जाता है कि जिसका आकलन किया जा रहा है उसकी दृष्टि से किया है कि नहीं। यदि किसी का आकलन अन्य दृष्टि से या केवल अपनी दृष्टि से करते हैं तो परिणाम जो होगा वह ग़लत ही होगा। हमें अपने कार्य का हिसाब और आकलन हमारे हिसाब के साथ साथ उसके हिसाब से भी होना चाहिए जिसका किया जा रहा है। समाज को समझते हुए ही चला जाता है। बिना सोचे-समझे यदि कुछ भी करते हैं तो खाई में गिरने की संभावना बराबर बनी रहती है।

हर फ्रेंड जरूरी भी होता है। इसलिए किसी भी फ्रेंड को खोना या दूर करना कोई नहीं चाहता पर जब कोई फ्रेंड के नाम के लिए ही फ्रेंड हो और उसके भीतर फ्रेंड जैसा कोई भाव न हो तो समझदार लोग यहीं कहते हैं कि यहां पर फ्रेंड से छुटकारा ले लेने में ही भलाई है। आपको यह देखना होता है कि फ्रेंड किस तरह से सामने आ रहा है और उसका क्या प्रयोजन है। यदि बिना कुछ सोचे समझे ही कोई फ्रेंड है तो उसका तो इस संसार में कोई जवाब ही नहीं है। प्रयोजन से रहित जो फ्रेंड होते हैं उनकी योग्यता बहुत ही उच्च होती है और छोटी मोटी बातें वे न तो करते हैं न ही छोटी मोटी बातों का कोई उनपर असर होता है। वे बहुत सारी बातों से मुक्त होते हैं इस मुक्ति में उनकी तटस्थता का योगदान होता है । दुनिया कहां है कहां जा रही है क्या कर रही है इससे कोई लेना-देना नहीं होता है। कुछ लोगों के फ्रेंड होने का कोई अर्थ समझ में ही नहीं आता है। यह भी देखने में आता है कि कुछ उत्साही लोग रोज एक नया ग्रुप बनाते हैं और उसमें आपको सदस्य की तरह जोड़ देते हैं। आनलाईन दुनिया में नंबर ऐसे घूमता है जैसे हवा में पत्ते घूम रहे हों। पत्ते की तरह ही हर दिन एक नये मित्र आ जाते हैं अपनी सामाजिक उपस्थिति सिद्ध करने।

एक बात आश्चर्य में डालती है कि कुछ फेसबुकी मित्र सालों साल से मित्र सूची में पड़े हैं और ऐसे पड़े हैं कि उन्हें दुनिया का सबसे संतोषी जीव मानने का मन करता है। राग द्वेष से परे... तटस्थता ऐसी की कोई भी उनका कायल हो जाएं। दिन महीने क्या सालों साल बीत जायेगा और आपकी एक भी पोस्ट उन्हें किसी तरह से उपयोगी या अनुपयोगी, पठनीय या अपठनीय नहीं लगती। क्योंकि इस क्रम में उनकी किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया भी नहीं दिखती। लिखित टिप्पणी छोड़िए लाइक का झंझट भी नहीं पालते। कभी कोई रियेक्ट नहीं। इन लोगों को देखते हुए ही मौन साधक शब्द पर ध्यान जाता है और लगता है कि ये इस जमाने के बड़े साधक हैं जो त्वरित प्रतिक्रिया के दौर में प्रतिक्रिया मुक्त जीवन कैसे बिता लेते हैं। ऐसे मौन साधकों को प्रणाम करने का मन बराबर से करता है।

इधर के दिनों में एक बात और समझ में आती है कि यदि आपके निकटतम परिचित यदि आपके किसी पोस्ट पर कुछ रिजेक्ट नहीं करते तो यह खुश होने का ही कारण होना चाहिए। क्योंकि वे या तो आपको कुछ ज्यादा बड़ा मान लेते हैं और अपनी श्रेणी से उपर का समझने लगते हैं या अपनी कैटेगरी में नहीं मानते और ज्वलन ग्रंथि के शिकार हो जाते हैं कि इनका तो काम ही है केवल पोस्ट करते रहना। कहां तक लाइक्स कर उंगलियों में दर्द लाएं। अपरिचित लोगों का रिजेक्ट करना अच्छा होता है और परिचित लोगों का रियेक्ट न करना ठीक ही रहता है। कब अपरिचित परिचय की श्रेणी में आ जाता और कब परिचित अपरिचित की श्रेणी में यह सब समय सापेक्ष और परिस्थितियों के अधीन हुआ करती हैं।

वक्रोक्ति

कारुलाल जमडा 'कारुण्य'

लेखक साहित्यकार हैं।

सरस्वती को स्वजाति की देवी घोषित करने की कवायद

मुझे यह समझ में नहीं आ रहा था कि मैं किस भगवान या महापुरुष को लेकर बैठूँ ? साहित्य और संस्कृति के जानकार एक महानुभाव से जब यह प्रश्न किया तो उन्होंने तत्काल प्रत्युत्तर दिया और बोले-'अरे यार ! तुम तो संगीत के खानदान से हो ।गाना बजाना तुम्हारे पुरखों का पेशा रहा है ।कहते हैं कि तुम्हारे समाज में तो बच्चा पैदा होते ही राग में रोता है । तुम तो सरस्वती पुत्र हो इसलिए सरस्वती ही तुम्हारी आराध्य होना चाहिए और तुम्हें अपनी जाति-विशेष की पहचान के लिए मां सरस्वती को ही अपनी देवी के स्वरुप में प्रतिष्ठित करना चाहिए । '

इस देश में सभी लोग अपने-अपने भगवानों को लेकर बैठ गए हैं और उन्हें अपनी जाति से जोड़कर उनकी जयंती और विशेष पर्व मना रहे हैं। ब्रह्मा, विष्णु,महेश, कृष्ण, बलराम, विश्वकर्मा, परशुराम, विश्वामित्र,वाल्मीकि आदि सभी का जातिकरण हो चुका है । कुछ समाजों ने अलग-अलग महापुरुषों को अपने आराध्य या आदर्श के रूप में पकड़ रखा है और बड़े जोर शोर से उनकी जयंती आदि का महोत्सव मनाते हैं। बड़े-बड़े संचलन निकलते हैं। जुलूस होते हैं। सभाएं होती हैं और अपने जाति-समाज के माध्यम से अपनी जनसंख्या की शक्ति का या यूँ कहिए कि वोटो की शक्ति का प्रदर्शन करते हैं।

मुझे यह समझ में नहीं आ रहा था कि मैं किस भगवान या महापुरुष को लेकर बैठूँ ? साहित्य और संस्कृति के जानकार एक महानूभाव से जब यह प्रश्न किया तो उन्होंने तत्काल प्रत्युत्तर दिया और बोले-'अरे यार! तुम तो संगीत के खानदान से हो।गाना बजाना तुम्हारे पुरखों का पेशा रहा है।कहते हैं कि तुम्हारे समाज में तो बच्चा पैदा होते ही राग में रोता है। तुम तो सरस्वती पुत्र हो इसलिए सरस्वती ही तुम्हारी आराध्य होना चाहिए और तुम्हें अपनी जाति-विशेष की पहचान के लिए मां सरस्वती को ही अपनी देवी के स्वरुप में प्रतिष्ठित करना चाहिए'।

'यह बात तो ठीक है कि हम सरस्वती के उपासक हैं, उसी की आराधना करते हैं परंतु अभी तक हमने उसे हमारी जाति से नहीं जोड़ा है'। ...मैने जवाब दिया।

यह सुनते ही साहित्यमनीषी तनिक व्यंग्यात्मक मुद्रा

लिए बोले- 'फिर तो बहुत गलत बात है। जिसकी कृपा से आप लोग खाते हो, जीवन जीते हो, जीवन भर जिन वाद्ययंत्रों के माध्यम से कमाते हो, उसी की अधिष्ठात्री देवी को तुमने अभी तक अपनी जाति देवी घोषित नहीं किया!'

मैने कहा-'ऐसा नहीं है पर हमें यह डर है कि यदि मां सरस्वती को 'स्वजाति' की घोषित कर दिया गया तो इसके बाद लगभग हर व्यक्ति चाहे वह किसी भी जाति का हो, जो मां सरस्वती की वंदना करता है, उसको नमन करता है वह उसे जाति-विशेष का समझ लेगा और मुझे यह भी डर है कि 'मां सरस्वती' को केवल गाने-बजाने वालों की देवी मान लिया जाए।'

'नहीं-नहीं,ऐसा कुछ नहीं है। और अगर है भी तो इसमें कुछ नुकसान है क्या ?'

'इसमें मुझे तो कोई नुकसान नहीं है।लेकिन आप ही बताइए की संस्कृति, संगीत, साहित्य के विद्वानों को ही यह स्वीकार होगा कि 'मां सरस्वती' पर किसी तरह का लेबल लगे और वह किसी जाति-विशेष की होकर रह जाए ?'

'नहीं ! नहीं !! तुम्हारा संदेह व्यर्थ है।ऐसा कुछ नहीं होगा क्योंकि सभी लोगों ने अपने-अपने महापुरुष और भगवान पहले से ही पकड़ कर रखे हैं। अब वह उन्हें छोड़ कर के 'सरस्वती' को पकड़ने वाले नहीं है। वैसे भी इनमें से ज्यादातर 'लक्ष्मी' के उपासक हैं। वे 'सरस्वती' को तब तक ही पूछते हैं जब तक किसी कार्यक्रम में होते हैं और कार्यक्रम की शुरुआत हो रही होती है। उसके पश्चात बचे हुए सारे समय में वे सब केवल 'लक्ष्मी- लक्ष्मी ही करते रहते हैं- वे हँसते हुए बोले।'

परंतु आप भी तो सरस्वती के ही साधक हैं । साहित्य से जुड़े हुए हैं और मैंने सुना है कि जो साहित्य से जुड़ा होता है, उसमें भी सरस्वती का वास होता है।तो आपने अब तक मां सरस्वती को अपनी देवी के रूप में प्रतिष्ठित क्यों नहीं किया?

....तो वे बोले--'यार ऐसी बात नहीं है। वस्तुतः मैं जिस जाति से आता हूँ उसने वर्षों पहले ही अमूक भगवान को अपने देवता के रूप में स्थापित कर लिया था और अब हमारी जाति उन्हीं देवता से जानी जाती है। आप भले ही कहे कि बतौर साहित्यकार मैं सरस्वती का उपासक हूँ, साधक हूँ।परंतु मैं चाहकर के भी उन्हें अपने जाति के प्रतीक के तौर पर नहीं ला सकता क्योंकि मुझे ऐसा लगता है कि जब आप संगीत,साहित्य पठन-पाठन-लेखन आदि से जुड़े होने के बावजूद मां सरस्वती को स्वजाति के रूप में प्रतीक के तौर पर आगे नहीं रख सकते तो फिर मैं क्यों करूं ?

देखिए! मेरी जाति का संगठन इतना तगड़ा नहीं है कि सरस्वती जी को स्वजाति की घोषित करने की हिम्मत कर सके।लोग अपना पेट पालने की खातिर गाने-बजाने में ही इतने व्यस्त रहते हैं कि पेट की साधना ही सरस्वती की साधना हो जाती है। जब सांसो से ही सरस्वती बहती है। वह स्वयं मुख पर हाथ पर आकर स्वयं को प्रकट करती है तो फिर उसे अपनी जाति से जोड़ करके प्रतिष्ठित करने की क्या आवश्यकता है? हमारा ध्यान से 24 घंटे उसी में रहता है। वह हमारे केन्द्र में है पर लक्ष्मी जी हमसे दूर है । और शायद यही कारण है कि आप भी सरस्वती को उद्घाटन तक ही सीमित रखना चाहते हैं वरना लक्ष्मी जी नाराज... है ना ?और लक्ष्मी नाराज की सभी नाराज।

यह सुनते ही सरस्वती के वे नकली साधक हीं... हीं...हीं करते हुए खिसै निपौरते हुए निकल लिए।

प्रोटीन विज्ञान क्रांति

प्रियंका सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

परिवर्तनकारी साबित होगा नए प्रोटीन का निर्माण

प्रोटीन लगभग सभी जैविक कार्यों के लिए आवश्यक हैं। ये विभिन्न जीवों के एंजाइम, हार्मोन और संरचनात्मक घटकों के रूप में कार्य करते हैं। प्रोटीन इंजीनियरिंग में प्रगति के साथ अब ऐसे प्रोटीन बनाए जाने लगे हैं जिनका कार्य आवश्यकतानुसार पहले से ही निर्धारित होता है। इस तरह के नवाचार विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करके चिकित्सा, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विज्ञान जैसे क्षेत्रों में क्रांति लाने की क्षमता रखते हैं। विशिष्ट चिकित्सीय कार्यों वाले प्रोटीन बनाने से लक्षित दवाओं का विकास संभव होता है, जो रोगों का अधिक सटीक उपचार करती हैं। ये प्रोटीन स्वस्थ कोशिकाओं को प्रभावित करने की क्षमता वैक्सीन विकास प्रक्रिया को गति दे सकती है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य खतरों से निपटना आसान हो सकता है।

महामारी के दौरान, वायरस से निपटने के लिए तीव्र और प्रभावी समाधान विकसित करने में प्रोटीन-आधारित टीके अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुए थे। इंजीनियर्ड प्रोटीन एंटीबायोटिक प्रतिरोधी बैक्टीरिया को लक्षित कर सकते हैं, जिससे रोगाणुरोधी प्रतिरोध की बढ़ती समस्या के लिए अभिनव समाधान उपलब्ध हो सकते हैं। तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए बहुत कम वजन के ढाँचे आदि के निर्माण में न्यू प्रोटीन का इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रोटीन-इंजीनियर्ड फैब्रिक का उपयोग सेल्फ क्लीनिंग कपड़े बनाने के लिए किया जा सकता है, जिससे सफाई प्रक्रिया में जल और रसायनों की आवश्यकता कम हो सकती है। प्रदूषकों और विषैले पदार्थों को विखंडित करने हेतु डिजाइन किए गए प्रोटीन पर्यावरण की सफाई के लिए आशाजनक समाधान प्रदान करते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र में प्रदूषण कम होता है।

प्रदूषण संकट को कम करने में सहायता कर सकते हैं। न्यू प्रोटीन ऐसे बायोसेंसर के रूप में कार्य कर सकते हैं, जो उच्च परिशुद्धता के साथ प्रदूषकों और विषाक्त पदार्थों का पता लगाते हैं, जिससे पर्यावरण निगरानी और संरक्षण में सहायता मिलती है। औद्योगिक प्रक्रियाओं में हानिकारक रसायनों की जगह उत्प्रेरक गुणों वाले प्रोटीन का उपयोग किया जा सकता है, जिससे उत्पादन प्रक्रिया पर्यावरण के अधिक अनुकूल हो जाएगी। प्रोटीन आधारित उत्प्रेरक रासायनिक उद्योग में विषाक्त पदार्थों के उपयोग को कम कर सकते हैं, संधारणीयता को बढ़ावा दे सकते हैं और पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर सकते हैं। विशिष्ट कार्यों वाले प्रोटीन बनाने की क्षमता दवा खोज को बदल सकती है, जिससे उन बीमारियों के लिए उपचार विकसित करना संभव हो सकता है जो पहले इलाज योग्य नहीं थीं।

प्रोटीन इंजीनियरिंग में शामिल आणविक तंत्र को लक्षित करके अल्जाइमर जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव

बीमारियों के लिए नए उपचार विकसित किए जा सकते हैं। व्यक्तिगत चिकित्साः न्यू प्रोटीन को व्यक्तिगत रोगियों की जैविक प्रोफाइल के अनुरूप डिजाइन किया जा सकता है, जिससे व्यक्तिगत चिकित्सा के क्षेत्र में प्रगति होगी। इंजीनियर्ड प्रोटीन का उपयोग करके कैंसर के उपचार के लिए आनुवंशिक डेटा के आधार पर विशिष्ट कैंसर प्रकारों को लक्षित करते हुए चिकित्सीय परिणामों में सुधार किया जा सकता है। इंजीनियर्ड प्रोटीन निदान की सटीकता और दक्षता में सुधार कर सकते हैं, जिससे रोगों का पहले पता लगाया जा सकता है। प्रोटीन-आधारित निदान का उपयोग मधुमेह या हृदय संबंधी विकारों के लिए बायोमार्कर का पता लगाने के लिए किया जा सकता है। प्रोटीन डिजाइन करने की कोशिश की गई है जो महत्वपूर्ण साइटों से बंधेंगी और कार्य को संशोधित करेंगी। कुछ उल्लेखनीय सफलताओं के बावजूद, नैदानिक परीक्षणों में प्रवेश करने वाली केवल 8 प्रतिशत दवाएँ ही नई दवाओं के रूप में पंजीकृत होती हैं।बेशक, इस दक्षता में कोई भी वृद्धि स्वागत योग्य है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कितनी नई पंजीकृत दवाएँ आबादी के स्वास्थ्य काल या जीवनकाल को भौतिक रूप से बढ़ाती हैं। इसके अलावा, प्रोटीन स्तर पर आशाजनक परिणाम कई कारणों से नैदानिक परीक्षणों के लिए व्यावहारिक नहीं हो सकते हैं; उदाहरण के लिए, उपचारात्मक पदार्थों को संश्लेषित, परिवहन और संग्रहीत करने की आवश्यकता होती है, और कुछ प्रोटीन इसके लिए अनुकूल नहीं हो सकते हैं। कंप्यूटर द्वारा पहचाने गए कुछ आशाजनक उपचारात्मक पदार्थ इस तरह के व्यावहारिक कारणों से विफल हो जाएंगे, लेकिन हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि इस क्षेत्र में भी सफलताएँ मिली हैं।

किसी भी भौतिक सफलता के बाद आम जनता के लिए उपचार की पहुँच पर भी विचार किया जाना चाहिए। इम्यूनोथेरेपी और व्यक्तिगत चिकित्सा महंगी हैं, और नई एआई तकनीकों द्वारा पहचानी गई कुछ चिकित्सीय रणनीतियाँ उसी श्रेणी में आ सकती हैं। ये चिंताएं प्रोटीन विज्ञान क्रांति द्वारा दिए जाने वाले संभावित लाभों को खारिज करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं; बल्कि, वे हमें यह याद दिलाती हैं कि इससे क्या लाभ हो सकता है, इस बारे में अपेक्षाएं कम रखें। विशिष्ट कार्यों वाले नए प्रोटीन के निर्माण ने चिकित्सा, प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता में परिवर्तनकारी संभावनाओं को खोल दिया है। ये प्रगति लक्षित उपचार विकसित करने, निदान प्रक्रिया को उन्नत करने और संधारणीय औद्योगिक प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिए क्रांतिकारी क्षमता प्रदान करती हैं। जैसे-जैसे प्रोटीन इंजीनियरिंग विकसित होगी, यह स्वास्थ्य सेवा, जैव प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय समाधानों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा पाएगी।

सारणी में दो और अब तीसरी घटना चिचोली के सेहरा गांव के सरपंच पति ने लगाई फांसी

रुपयों के लेनदेन को लेकर प्रताड़ना के मामले में लगातार हो रही आत्महत्याएं

संजय द्विवेदी, बैतूल

आदिवासी जिला बैतूल में रुपयों के लेनदेन को लेकर प्रताड़ना के मामले लगातार बढ़ रहे है। इन मामलों में पिछले एक माह से अब तक तीन लोगों ने आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठा लिया है। आत्महत्या के दो मामले सारणी क्षेत्र के है, वहीं एक मामला चिचोली थाना क्षेत्र के सेहरा गांव में आज सामने आया है, जहां सरपंच पति और पूर्व सरपंच ने सूदखोरों से परेशान होकर फांसी लगाकर जान दे दी। उसने एक पेज का सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें पांच लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

दरअसल चिचोली क्षेत्र के सेहरा गांव की सरपंच ममता धुर्वे के पति मकल सिंह का शव फंदे पर लटका मिला था। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें एक सुसाइड नोट मिलने की बात सामने आई है। जिसमें लिखा है कि कुछ सूदखोरों द्वारा उन्हें परेशान किया जा रहा था। इसमें चिचोली और मलाजपुर के दो लोगों के नाम हैं।

रवि देशमुख

जबकि एक अन्य व्यक्ति से उन्हें एक लाख से ज्यादा की रकम लेना है। इस मामले को लेकर जांच अधिकारी प्रीतम सिंह ने बताया कि पुलिस बल जब मौके पर पहुंचा, परिजन शव को फंदे से उतार चुके थे। जेब से सुसाइट नोट बरामद किया गया है, जिसकी जांच की जा रही है। इधर एएसपी कमला जोशी ने बताया कि सूचना मिली थी कि मकल सिंह ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी, फिलहाल मामला एकदम प्राथमिक जांच में है। इसलिए आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है। एक पेज मिला है, जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि यह सुसाइड नोट है या किसी और ने लिखा है।

सुसाइड नोट में पांच लोगों पर प्रताड़ना के आरोप- सरपंच पति और पूर्व सरपंच ने सुसाइड नोट में सूदखोरों से परेशान होकर आत्महत्या जैसा कदम उठाने का जिक्र किया है और पांच लोगों पर प्रताडित करने का आरोप लगाया है। उसने लिखा इन्होंने मेरी जमीन बिकवा दी, इतनी मानसिक प्रताडना दी कि मुझे मरना पडा रहा है। जिसका कारण कर्ज से परेशान होना है, मुझे मानसिक प्रताडित करने वाले सूदखोर को मैंने सूद समेत पैसे दिए। इसके बाद भी मेरे ऊपर एक लाख पचास हजार रुपए निकाल दिया और मुझे बहुत परेशान कर रहा है। इसने मेरी एक एकड़ बीस डिसमिल जमीन भी बिकवा दी। चिचोली के ही रहने वाले तीसरे व्यक्ति से मुझे एक लाख दस हजार रुपए लेना था, जो मुझे मिला नहीं, जिसके कारण मुझे गिट्टी वाला से भी परेशान होना पडा। मानसिक रूप से प्रताड़ित होकर मैं जान दे रहा हूं।

समाजसेवियों ने की दोषियों की गिरफ्तारी की मांग, एसपी को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। युवा आदिवासी विकास संगठन के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने के नेतृत्व में ग्राम पंचायत सेहरा के ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने पूर्व सरपंच मकल सिंह धुर्वे की आत्महत्या के मामले में जिम्मेदार तीन लोगों पर सख्त कार्रवाई और उनकी तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है मकल सिंह धुर्वे ग्राम सेहरा के पूर्व सरपंच थे, उन्होंने 14 अक्टूबर को कर्ज से परेशान होकर फांसी लगा ली। ज्ञापन में बताया कि मकल सिंह ने अपने एक पेज के सुसाइड नोट में स्पष्ट रूप से लिखा कि मलाजपुर के हरीश यादव, चिचोली के पप्पू जायसवाल और सलीम खान द्वारा उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था। इनकी लगातार प्रताडना के कारण ही उन्हें आत्महत्या का कदम उठाना पड़ा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ये तीनों मकल सिंह से लगातार कर्ज के नाम पर भारी ब्याज की मांग कर रहे थे।

सारणी क्षेत्र में पैसों के लेनदेन में दो आत्महत्याएं

इधर सारणी क्षेत्र में एक महीने के भीतर दो लोगों ने सुसाइड कर लिया। इन मामलों में भी के रूपये के लेनदेन, बीसी की रकम अदायगी जैसे बाते सामने आई थी। 10 सितंबर को डब्ल्यूडब्ल्यूसीएल कर्मचारी अनिल खबसे ने आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने सुसाइड नोट में कुछ लोग द्वारा रुपए के लेनदेने को लेकर परेशान करने का जिक्र किया था। सुसाइट नोट के आधार पर 7 लोगों के खिलाफ पुलिस ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज किया था। इस आत्महत्या के बाद उसके दोस्त और भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रविंद देशमुख ने भी 7 अक्टूबर को खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। उसने भी सुसाइट नोट छोड़ा था, जिसके आधार पर पुलिस ने 10 लोगों को आरोपी बनाया है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में जबदस्त दबाव के बाद एसआईटी का गठन कर जांच शुरू कर दी है और सोमवार की शाम को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मंगलवार न्यायालय में पेश भी किया है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों की रिमांड ली जा रही है। बैतूल एसपी निश्चल एन झारिया ने बताया कि इसके बाद शीघ्र ही मामले के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जावेगी।

इनका कहना है

ऐसे मामले जब भी पुलिस के संज्ञान में आते है, तो शिकायत दर्ज कर पुलिस त्वरित कार्रवाही करके कठोर कदम उठा रही है। नागरिकों को भी पैसे के इन्वेस्टमेंट एवं लेनदेन में सोच समझकर जागरूकता बरतते हुए पैसा लगाना चाहिए। और समय पर पुलिस को सूचित करना चाहिए।

- निश्चल एन झारिया, एसपी, बैतूल

सूदखोरों के खिलाफ कठोर कदम उठा रही बैतूल पुलिसः एसपी निश्चल झारिया

सूदखोरी के खिलाफ पुलिस का सहयोग करने हेतु की अपील

बैतूल। पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने ग्रामीण अंचल की जनता को अवैध रूप से ब्याज वसूलने वाले सूदखोरों के अवैध शोषण से बचने और उनके खिलाफ जागरूक रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में सूदखोर अवैध ऋण देकर भोली-भाली जनता को अपने जाल में फंसा रहे हैं। जिससे गंभीर आर्थिक संकट में फंस जाते हैं और मानसिक व शारीरिक शोषण का शिकार होते हैं। सभी से यह अपील की है कि वे सूदखोरों के लालच में न फंसें और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। लोगों की जागरूकता और सतर्कता से ही हम इस अवैध धंधे पर अंकुश लगा सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक की जनता से अपील

अगर नागरिक या उनके परिचित किसी प्रकार के शोषण का सामना कर रहे हैं, तो पुलिस की मदद लें। पुलिस सूदखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगी। आम जनता का सहयोग इस लड़ाई में अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि यदि वे किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा सूदखोरी के कारण प्रताड़ित किए जा रहे हैं, तो वे निडर होकर पुलिस से संपर्क करें। सूदखोरों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विगत दिनों थाना आमला में आरोपी हेमंत बाथरी उर्फ सम्मी पिता सुनील बाथरी, निवासी बस स्टैंड आमला के विरुद्ध सूदखोरी और अत्यधिक ब्याज दर पर पैसे वसूलने के संबंध में शिकायत करने पर अपराध पंजीबद्ध किया गया है। इसी प्रकार, थाना कोतवाली बैतूल में भी आरोपी सुभाष राठौर और रजनी राठौर के विरुद्ध अत्यधिक ब्याज दर पर पैसे वसूलने की शिकायत पर अपराध दर्ज कर मामला विवेचना में लिया गया है। उन्होंने आम जनता को आश्वस्त किया है कि बैतूल पुलिस सूदखोरों के खिलाफ कठोर कदम उठा रही है और किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आम जनता से अपील है कि वे सूदखोरी के खिलाफ जागरूक रहें और पुलिस का सहयोग करें।

द्वारका नगर में जागरण आज

बैतूल। द्वारका नगर बडोरा में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर टाइगर फैंस क्लब द्वारा आज, 16 अक्टूबर को मां भगवती जागरण का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 7 बजे से होगा, जिसमें संस्कारधानी जबलपुर से प्रसिद्ध गायिका प्रगति (मुनमुन) यादव अपनी मधुर आवाज से भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगी। साथ ही, भजन गायक शिवराज पवार और मनोज शेषकर भी अपने सुमधुर भजनों से मां भगवती की महिमा का गुणगान करेंगे। इस आयोजन को विशेष बनाने के लिए मां खेड़ापति देवी जागरण ग्रुप, बैतूल की प्रस्तुति होगी, जिसके ग्रुप संचालक लोकेश श्रीराम बिजवे हैं। ग्रुप के संयोजक शैलेन्द्र सोनी और दरबार सेवक दीपक ठाकुर भी इस भव्य कार्यक्रम में अपनी सेवाएं देंगे।

बारिश से पुस्तकें हुईं खराब, एबीवीपी ने किया प्रदर्शन

बैतूल। पीएमश्री जेएच कॉलेज में बारिश का पानी घुसने से लाइब्रेरी में रखी पुस्तकें खराब हो गई। इसे लेकर एबीवीपी ने कॉलेज के सामने प्रदर्शन किया। एबीवीपी का कहना है कि कॉलेज प्रबंधन ने इस पर ध्यान नहीं दिया। बारिश होते समय ध्यान रखा जाता तो पुस्तकें खराब नहीं होती। मंगलवार को एबीवीपी के छात्रों ने कॉलेज के सामने खराब पुस्तकें हाथ में लेकर विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की गई। विद्यार्थियों का कहना है लाइब्रेरी को व्यवस्थित किया जाएं। छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन से मांग की है कि वे इस समस्या का समाधान करें और लाइब्रेरी की स्थिति को सुधारने के लिए तुरंत कदम उठाएं। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने नारेबाजी की।

औषधि युक्त प्रसादी का वितरण आज

श्री लीला देव बाबा मंदिर ट्रस्ट का आयोजन

बैतूल। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर आज बुधवार रात 12 बजे श्री लीला देव बाबा मंदिर ट्रस्ट द्वारा विशेष प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान औषधि का वितरण किया जाएगा, जो श्वास रोग, जोड़ों के दर्द और बदन दर्द में बेहद लाभकारी मानी जाती है। औषधि के साथ प्रसादी के रूप में स्वादिष्ट दुग्ध भी भक्तों को प्रदान किया जाएगा। खोजागिरी की इस रात में औषधि और प्रसादी वितरण का आयोजन मंदिर परिसर में होगा, जहां बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल होकर इस विशेष प्रसादी का लाभ उठा सकेंगे। आयोजकों के अनुसार, नर्मदा प्रसाद साहू की यह औषधि कई वर्षों से लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचा रही है। श्री लीला देव बाबा मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में भक्तों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

बैतूल नपा सीएमओ भदौरिया का तबादला, सतीश मटसेनिया होंगे नये सीएमओ

बैतूल। मप्र शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी तबादला आदेश में बैतूल भी प्रभावित हुआ है। बैतूल नगर पालिका के सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया का तबादला कर सतीश मटसेनिया को नगर पालिका बैतूल का नया सीएमओ बनाया गया है। प्रमोद कुमार शुक्ल उप सचिव मप्र शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 15 अक्टूबर को जारी आदेश में पांच मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के तबादले किए गए है।

क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड का सामाजिक योगदान

बैतूल। क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लिमिटेड (ग्रामीण कूटा) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत आठनेर पुलिस थाने को महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। भैंसदेही ब्रांच द्वारा पुलिस थाना आठनेर को 3 सीटर चेयर, अलमारी और पौधे भेंट किए गए। यह पहल कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी गतिविधियों का हिस्सा थी, जिसके माध्यम से सरकारी कार्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों को आवश्यक वस्तुएं मुफ्त में मुहैया कराई जाती हैं।

बारिश का पानी भरने से परेशान महावीर वार्ड के रहवासी

बैतूल। महावीर वार्ड के लोगों के घरों में बारिश का पानी घुसने की समस्या पिछले 50 वर्षों से बरकरार है, लेकिन अब समस्या और बढ़ गई है। आरोप है नगर पालिका बैतूल ने 14 अक्टूबर 2024 को सीएम हेल्पलाइन में झूठी और असत्य जानकारी देकर शिकायतकर्ता संतोष डोकले की शिकायत को बंद करवाने की कोशिश की थी। संतोष डोकले ने बताया कि चारों दिशाओं में प्राकृतिक रूप से पानी निकासी की उत्तम व्यवस्था मौजूद होने के बावजूद नगर पालिका द्वारा की गई गलत जल निकासी प्रबंधन से महावीर वार्ड के लोगों के घरों में पानी भरने की समस्या गंभीर हो गई है। संतोष डोकले के अनुसार, महावीर वार्ड की प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था बेहद उत्तम थी। उत्तर दिशा में भुजलिया घाट वाला नाला, दक्षिण दिशा में ममता श्रीवास्तव वाला नाला, पूर्व दिशा में संतोषी माता मंदिर के पीछे वाला नाला और पश्चिम दिशा में गाढ़ा घाट वाला नाला मिलकर पानी को माचना नदी तक पहुंचाते थे। इसके बावजूद, नगर पालिका बैतूल ने इन नालों के पानी का बहाव गलत दिशा में मोड़ दिया, जिससे महावीर वार्ड में जलभराव की समस्या विकराल हो गई है।

आंगनवाड़ी के पीछे के घरों में घुसता है पानी- ईसाई चौक आंगनवाड़ी के पीछे रहने वाले लोगों के घरों में हर साल बारिश का पानी घुसता है, जिससे उनकी जान-माल को खतरा बना रहता है। इस क्षेत्र की पूरी कॉलोनी वैध है, और यहां के लोग हर साल नगर पालिका को टैक्स और तहसील कार्यालय को जमीन का लगान जमा करते हैं। बावजूद इसके, इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है। संतोष डोकले ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए नगर पालिका बैतूल, कलेक्टर बैतूल, मुख्यमंत्री, विधायक और सांसद को बार-बार आवेदन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने दो बार सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की, लेकिन हर बार नगर पालिका ने समस्या समाधान का झूठा दावा कर शिकायत को बंद करवा दिया।

आंदोलन की तैयारी में हैं वार्डवासी- महावीर वार्ड के निवासी अब इस समस्या से बेहद परेशान हो चुके हैं और आंदोलन की तैयारी में हैं। उनका कहना है कि यदि तुरंत समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करेंगे। नगर पालिका द्वारा जल निकासी की व्यवस्था में की गई गड़बडियों से लोगों की जान-माल को लगातार खतरा बना हुआ है। संतोष डोकले ने कहा हमारे घरों में हर साल बारिश का पानी घुसता है, जिससे हमें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हमने कई बार शिकायत की, लेकिन नगर पालिका ने हर बार झूठी जानकारी देकर मामले को दबा दिया। अब अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम आंदोलन करेंगे।

विधायक ने मृतक बच्चे के परिजनों से की मुलाकात

बैतूल। मंगलवार को बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शहर के किदवई वार्ड में पहुंचकर नाले में बहे 4 साल के मृतक आमिर के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। विधायक ने परिजनों को आर्थिक मदद दिलवाने का आश्वासन दिया। उनके साथ नपा अध्यक्ष पार्वती बारस्कर भी मौजूद थी। विधायक ने स्वेच्छा अनुदान से आर्थिक

मदद करने और दुर्घटना में मिलने वाली राहत राशि दिलवाने का आश्वासन दिया। विधायक ने इसके लिए कलेक्टर से भी चर्चा कर परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। गौरतलब रहे कि रविवार हुई तेज बारिश के बीच घर के सामने खेलते हुए आमिर नाली में बह गया था। जिसका शव एक किमी दूर नाले में मिला था। घटना की सूचना मिलने के बाद विधायक रविवार के दिन अस्पताल भी पहुंचे थे। जहां उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया था। इसके बाद मंगलवार विधायक फिर आमिर के घर पहुंचे और परिजनो से मुलाकात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

अजमीढ़देव जयंती पर आज निकलेगी विशाल शोभायात्रा

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान भी होगा

बैतूल। स्वर्णकार समाज के आराध्य श्री 1008 अजमीढ़देव की जयंती आज 16 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा पर धूमधाम से मनाई जाएगी। इस दौरान प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया जाएगा। कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, स्वर्णकला बोर्ड के अध्यक्ष (राज्यमंत्री) दुर्गेश सोनी, नगरपालिका बैतूल की अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर विशेष तौर पर मौजूद रहेगी। कार्यक्रम में जिले भर के सामाजिक बंधु अपनी सहभागिता निभाएंगे। स्वर्णकार समाज के कार्यवाहक अध्यक्ष संजय सोनी ने बताया कि अजमीढदेव जयंती का मुख्य कार्यक्रम आज 16 अक्टूबर को इटारसी रोड सदर स्थित कस्तुरी बाग मैरिज लॉन में होगा। सबसे पहले सुबह 10 बजे समाज के महिला-पुरुष पीले रंग के परिधान में दोपहिया-चौपहिया वाहन रैली निकालेंगे।

अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

बैतूल। मंगलवार को जनसुनवाई में अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और विभागीय अधिकारियों को आवेदनों के समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 101 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं। इस अवसर पर अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में बैतूल के सुभाष हाईस्कूल/हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने स्कूल में खेल मैदान तथा परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण किए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश प्रदान किए। मुलताई विकासखंड के ग्राम देवगांव निवासी नागोराव पाटिल द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

दिलाए जाने के आवेदन पर अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने प्रभातपट्टन के जनपद सीईओ को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश प्रदान किए। जनसुनवाई में बैतूल जनपद पंचायत के ग्राम सूरगांव निवासी सुनीता बेवा सीताराम रावंधे ने पति की मृत्यु उपरांत कर्मकार कार्ड पर मिलने वाली सहायता राशि 4 वर्ष बाद भी नहीं मिलने की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। आमला तहसील के ग्राम खापा खतेड़ा निवासी शिवदास खातरकर द्वारा राजस्व रिकार्ड में नाम दुरुस्तीकरण के आवेदन पर अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश प्रदान किए। जनसुनवाई में बैतूल के सुभाष वार्ड हमलापुर निवासी मंहगीलाल खातरकर के पेंशन बंद होने के आवेदन पर अपर कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने नगर पालिका के पेंशन शाखा प्रभारी को प्रकरण का निराकरण कराए जाने के निर्देश प्रदान किए।

सक्रिय सदस्यता को लेकर जिला कार्यशाला संपन्न

100 प्राथमिक सदस्य बनाने वाले को ही मिलेगी सक्रिय सदस्यता : शर्मा

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय विजय भवन में आयोजित सक्रिय सदस्यता अभियान की कार्यशाला संपन्न हुई। उक्त कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने कहा कि 100 प्राथमिक सदस्य बनाने वाला कार्यकर्ता ही पार्टी का सक्रिय सदस्य बनने का अधिकारी होगा। आगामी समय में संगठन का विस्तार होना है ऐसे मे सक्रिय सदस्य ही संगठन में वरियता रखेगें उन्हे किसी अनुशंसा की आवश्यकता नही होगी। जिले में जिन विधानसभाओं में प्राथमिक सदस्य बनाने के अभियान में हम लक्ष्य को नही प्राप्त कर पाए उसकी चिंता प्रदेश व राष्ट्रीय नेतृत्व को भी है। इन विधानसभाओं में हमारे कार्यकर्ता रोजाना 50 से 100 सदस्य बनाए तो लक्ष्य एक सप्ताह में पूरा हो सकता है। हमारी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं और चरित्र के चलते सकारात्मक वातावरण तैयार है अब अभियान को डोर - टू - डोर पहुंचाने की जरूरत है। जिन क्षेत्रो में नेटवर्क की समस्या है वहा आफलाईन सदस्यता शुरू करनी है सक्रिय सदस्यो को दो पंजी का प्रबंध करते हुए ऑन लाईन और आफ लाईन का लेखा रखने की जरूरत है। जिसके लिए आपके द्वारा बनाई गई टीम और जो पार्टी

के साथ आगें काम करना चाहते है। उन्हे 100 प्राथमिक सदस्य बनाने के लिए हितग्राहियों से सतत संपर्क की जरूरत है। प्रवास और प्रयास से हम जिले का लक्ष्य सहजता से पूरा कर पा रहे है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सक्रिय सदस्यता प्रभारी संपत मुंदडा ने कहा कि हर कार्यकर्ता का अपना स्वभाव होता है। हमारी सरकार नेताओ का चरित्र जनता को पसंद हैं जसके बूते हम चौथी बार प्रदेश में सरकार बना चुके है। जनता के इस मन को पार्टी के साथ जोडने के लिए अनुकुल वातावरण है अपना स्मरण सुनाते हुए श्री मुंदडा ने कहा कि एक समय था जब हम जनसंघ की सदस्यता के लिए लोगो के बीच पहुंचते थे। आज समय अनुकूल है अपने स्वभाव के हिसाब से कार्यकर्ताओ को प्रवास पर लगाए तो सक्रिय सदस्यता अभियान पूरे प्रदेश में बैतूल जिले का सबसे बेहतर हो सकता है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने कहा कि अब आफ लाईन सदस्यता के लिए फार्म भी आ चुके है। हमें यह सदस्यता उन क्षेत्रो में ही करनी है जहां मोबाईल नेटवर्क नही है। वहीं भैसदेही और घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय सदस्यता अभियान प्राथमिक सदस्यता के लक्ष्य प्राप्ती तक एक सप्ताह के लिए स्थगित रहेगा। लक्ष्य की प्राप्ती के लिए क्षेत्रवार कार्ययोजना तैयार कर पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों , मोर्चो,, प्रकोष्ठ के साथ समन्वय बनाकर रिकार्ड कायम कर सकते है। कार्यशाला के पूर्व भैसदेही विधानसभा के मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं दायित्ववान कार्यकर्ताओ के साथ संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने वन टू वन चर्चा कर सदस्यता के लक्ष्य को पूरा करने के लिए मार्ग दर्शन दिया। कार्यशाला का संचालन जिला महामंत्री एवं सदस्यता अभियान प्रभारी कमलेश सिंह ने किया एवं आभार सक्रिय सदस्यता जिला सह संयोजक जगदीश पंवार ने व्यक्त किया। कार्यशाला में विधायक हेमंत खंडेलवाल, सक्रिय सदस्यता संयोजक वसंत बाबा माकोडे, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल सिंह कुशवाह विशेषरूप से मौजूद रहे। कार्यशाला में जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा जिलाध्यक्ष, प्राथमिक सदस्यता जिला टोली एवं मंडल संयोजक, सक्रिय सदस्यता मंडल टोली के सदस्यगण उपस्थित रहे।

धरती पर होती है अमृत वर्षा का दिन

शरद पूर्णिमा पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

वैसे तो हिन्दू धर्म में प्रत्येक पूर्णिमा का अपना एक अलग महत्व है और हर पूर्णिमा तिथि को धनदायक तथा शुभ माना जाता है किन्तु कुछ विशेष पूर्णिमा तिथियों को बेहद शुभ एवं समृद्धशाली माना गया है और इन्हीं पूर्णिमा में से एक है 'शरद पूर्णिमा'। हिन्दू पंचांग में अश्विन मास में आने वाली इस पूर्णिमा का सर्वाधिक महत्व माना गया है, जो धनदायक पूर्णिमा भी मानी जाती है। चन्द्रमा जब हर महीने शुक्ल पक्ष की आखिरी तिथि को पूर्ण रुप से आसमान में दिखाई देता है, वह पूर्णिमा तिथि होती है और अश्विन मास की पूर्णिमा को 'शरद पूर्णिमा' पर्व के रुप में मनाया जाता है, जो हिन्दू धर्म में सर्वाधिक धार्मिक महत्व वाली पूर्णिमा मानी जाती है। इस बार शरद पूर्णिमा 16 अक्तूबर को मनाई जा रही है।

शरद पूर्णिमा वास्तव में एक ऐसा धार्मिक पर्व है, जिसमें चन्द्रमा के पूर्ण स्वरूप का उत्सव मनाया जाता है, इसीलिए इस दिन चन्द्रमा की पूजा की जाती है। शरद पूर्णिमा की रात चन्द्रमा की रोशनी धरती को अपने प्रकाश से आलोकित करती है और इसी उजियारे के बीच पूर्णिमा का यह पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस पूर्णिमा पर चन्द्रमा से उत्पन्न होने वाली किरणें अद्भुत, स्वास्थ्यप्रद और पुष्टिवर्धक गुणों से भरपूर होती हैं और चन्द्रमा की इन रश्मियों से आरोग्य की प्राप्ति भी होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वर्षभर में केवल शरद पूर्णिमा के ही दिन चन्द्रमा सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है अर्थात् चन्द्रमा पूरी 16 कलाओं के साथ उदय होते हैं। भारतीय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार प्रत्येक कला मनुष्य की एक विशेषता का प्रतिनिधित्व करती है और इन सभी 16 कलाओं से सम्पूर्ण व्यक्तित्व बनता है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार केवल भगवान श्रीकृष्ण ही सभी सोलह कलाओं से युक्त थे।

शरद पूर्णिमा को कौमुदी अर्थात चन्द्र प्रकाश, कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। शरद पूर्णिमा पर्व को भगवान श्रीकृष्ण से भी जोड़ा जाता है और इसे 'रास पूर्णिमा' का नाम दिए जाने के पीछे मान्यता यही है कि शरद पूर्णिमा की रात्रि को ही श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर गोपियों के साथ यमुना तट पर 'महारास' नामक दिव्य नृत्य किया था। धर्मशास्त्रों में इस बात का स्पष्ट उल्लेख मिलता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने रासोत्सव का यह दिन वास्तव में जगत की भलाई के लिए ही निर्धारित किया है। आज भी रास पूर्णिमा को वृंदावन और बृज में बड़े स्तर पर मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा के ही दिन समुद्र मंथन से धन की देवी मां लक्ष्मी की उत्पत्ति हुई थी, इसीलिए शरद पूर्णिमा को 'धनदायक' भी माना जाता है। मान्यता है कि मां लक्ष्मी इस दिन पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो लोग रात्रि जागरण कर उनका पूजन करते हैं, वे उन पर अपनी कृपा बरसाती हैं और उन्हें धन-वैभव प्रदान करती हैं। ऐसी मान्यता भी है कि शरद पूर्णिमा पर व्रत रखकर

रातभर सच्चे हृदय से मां लक्ष्मी का पूजन करने से व्यक्ति की कुण्डली में लक्ष्मी योग नहीं होने पर भी अथाह धन एवं वैभव की प्राप्ति होती है। इस दिन मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की भी पूजा अर्चना की जाती है और शिव-पार्वती तथा कार्तिकेय की भी पूजा का विधान है।

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार शरद पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा पृथ्वी के सबसे करीब होता है। और ऐसा प्रतीत होता है, जैसे पृथ्वी चन्द्रमा की दूधिया रोशनी में नहा गई है। इस अवसर पर चन्द्रमा की विशेष पूजा-अर्चना किए जाने का विधान है और चंद्र देवता को खीर का भोग लगाया जाता है। यह प्रसाद चन्द्रमा के सभी सकारात्मक एवं दिव्य गुणों के लिए घर के आंगन में खुले आसमान के नीचे रखा जाता है। दरअसल धार्मिक मान्यताएं है कि इस दिन आसमान से अमृत की बूंदों की वर्षा होती है और इस अमृत वर्षा से चन्द्रमा की चांदनी में रखी खीर में भी अमृत समा जाता है, जिससे यह खीर अमृत समान हो जाती है, जिसे परिजनों द्वारा सुबह प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार दूध, चीनी तथा चावल चंद्र ग्रह से जुड़े हैं, इसलिए इनमें चंद्रमा का प्रभाव सर्वाधिक रहता है। वैसे शरद पूर्णिमा की रात को चांद की रोशनी में खीर रखने के पीछे वैज्ञानिक कारण भी हैं। दरअसल दूध में प्रचुर मात्रा में लैक्टिक एसिड होता है, जो चन्द्रमा की तेज रोशनी में दूध में पहले से मौजूद बैक्टीरिया को और बढ़ाने में सहायक होता है। दूसरी ओर खीर में पड़े चावलों में मौजूद स्टार्च इस कार्य को और भी आसान बना देता है। शरद पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा की रोशनी सबसे तेज होती है और रात में चांदी के बर्तन में खीर रखने से उसमें रोग-प्रतिरोधक क्षमता का विस्तार होता है। दरअसल चांदी के बर्तन में रोग-प्रतिरोधक क्षमता काफी ज्यादा होती है, इसलिए घर में अगर कोई चांदी का बर्तन हो तो शरद पूर्णिमा की रात उसमें खीर रखना सबसे ज्यादा फायदेमंद है। माना जाता है कि यह अमृतमय खीर खाने से मनुष्य की उम्र बढ़ती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार शरद पूर्णिमा को वर्षा काल की समाप्ति तथा शीत काल की शुरुआत माना जाता है अर्थात् इस दिन से सर्दियों की शुरुआत हो जाती है। यह वही समय है, जब मौसम में परिवर्तन की शुरूआत होती है और शीत ऋतु का आगमन शुरू होता है। शरद पूर्णिमा से ही ऋतु परिवर्तन की शुरुआत होती है, अतः वात, पित्त और कफ दोषों को सही स्थिति में लाने के लिए मधुर रस अर्थात् खीर का सेवन किया जाता है। दरअसल खीर मीठी होती है और शीत ऋतु में होने वाले पित्त को कम करती है। आयुर्वेद के अनुसार शरद पूर्णिमा पर्व का महत्व मौसम परिवर्तन के हिसाब से बहुत ज्यादा है। दरअसल शरद पूर्णिमा से ही मौसम में ठंड की शुरुआत होती है और यह पर्व शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पर अच्छा प्रभाव डालता है तथा आगे चलकर पाचन क्रिया भी सही करता है, जिससे सर्दी के मौसम में गरिष्ठ भोजन कर स्वस्थ रहा जा सकता है। कुछ राज्यों में शरद पूर्णिमा को फसल कटाई के उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है।

60 प्लस लालबाग ग्रुप के वरिष्ठ सदस्यों ने दशहरा मिलन समारोह उत्साह से मनाया

धार। 60 प्लस लालबाग ग्रुप के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दशहरा मिलन समारोह वरिष्ठ सदस्य बबन अग्रवाल के निवास पर उत्साह से मनाया। दशहरा मिलन समारोह में 60 प्लस लालबाग ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य बाबुलाल जैन ,मिश्रा जी , नारायण कुबेर जोशी , महेश माहेश्वरी नंदकिशोर उपाध्याय, सिंग सा., राधेश्याम जी, प्रकाश जी कन्हैयालाल यादव, रमेश जोशी, सुरेश गोयल, राजेन्द्र जैन मुकेश जी, श्यामजी , रामजी, अशोक जी, मुन्नु भैया ,जगदीश जी ,ओमजी, अमृतलाल जी , मिनारे जी सहित वरिष्ठजनों के सानिध्य में दशहरा मिलन समारोह कार्यक्रम बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। यह जानकारी मनीष सिसोदिया ने दी।

भाजपा सक्रिय सदस्यों की जिला स्तरीय कार्यशाला आज

धार,बदनावर,सरदारपुर और धरमपुरी चार विधानसभा के अपेक्षित कार्यकर्ता शामिल होंगे

धार। भारतीय जनता सक्रिय सदस्यता अभियान के अंतर्गत जिले की धार, बदनावर,सरदारपुर और धरमपूरी विधानसभा की कार्यशाला 16 अक्टूबर बुधवार को दोपहर एक बजे जिला भाजपा कार्यालय पर रखीं गई है । कार्यशाला में मुख्य रूप से मार्गदर्शन देने के लिए भाजपा जिला संगठन प्रभारी श्याम बंसल ,सक्रिय सदस्यता अभियान प्रभारी दीवान सिंह पटेल , भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी मौजूद रहेंगे ।

जानकारी देते हुए जिला भाजपा मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि उक्त कार्यशाला में जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्राथमिक सदस्यता अभियान के जिला टोली एवं मंडल टोली सक्रिय सदस्यता सहयोगी, पार्टी के विधायक एवं सांसद, जिला स्तरीय सक्रिय सदस्यता समीक्षा समिति, जिला एवं मण्डल सदस्यता अभियान की टोली को अपेक्षित को आमंत्रित किया गया है।

शहर की सड़कों और तालाबों में पॉलिथिन फेंकने वालों पर पशुक्रूरता अधिनियम के तहत धाराएं लगाकर केस दर्ज करें

पशु पालन, गोपालन एवं पशुधन संवर्धन, पशु क्रूरता समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

धार। नगर पालिका अधिकारी शहर की सड़कों और तालाबों में पॉलिथिन फेंकने वालों पर पशुक्रूरता अधिनियम के तहत धाराएं लगाकर केस दर्ज करें। इसके लिए तालाबों के नजदीक उल्लेखित पूरे नियम के साथ साइन बोर्ड भी लगाएं। साथ ही शहर में घूम रही गायों को गौ शालाओं में भेजें और पशुपालक पर भारी जुर्माना लगाने की कार्यवाही करें। ताकि कोई अपने पशु को सड़कों पर ना छोड़ सकें। उक्त निर्देश कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कलेक्टर सभागार में आयोजित पशु पालन, गोपालन एवं पशुधन संवर्धन, पशु क्रूरता समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने निर्देश दिए की शहर की गौशालाएं नरेगा, जनसहयोग के साथ संचालित हो। जिससे गौशाला आत्मनिर्भर बने। सड़कों पर घूमने वाले मवेशी और उनके कारण होने वाले हादसे रोकने के लिए पशु पालक अपने मवेशी नहीं छोड़े। वहीं कलेक्टर मिश्रा ने जिलेभर में संचालित गौशालाओं को लेकर भी उन्होंने जानकारी ली और शासकीय गौशालाओं का आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभागीय कलेक्टर कान्फ्रेंस का हुआ आयोजन

संभागायुक्त ने राजस्व अभियान 2.0 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

धार। संभाग के समस्त शासकीय चिकित्सालयों, छात्रावास एवं आश्रमों का राजस्व अधिकारी सघन निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लें। समस्त राजस्व अमला राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर लेटलतीफी और कोताही ना हो। सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत का तय समय-सीमा में निराकरण किया जाये। शिकायत के एल-1 स्तर पर नॉन अटेंड करने वाले संबंधित अधिकारी पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। समस्त जिलों में रिकार्ड रूम की सुरक्षा और सीसीटीवी से निगरानी सुनिश्चित हो। विस्फोटक नियंत्रण अधिनियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो। फटाका दुकानें खुले स्थान पर और सभी सुरक्षा प्रबंधों के साथ ही संचालित हो। यह सुनिश्चित कराया जाये।

यह निर्देश इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह ने संभागीय कलेक्टर कान्फ्रेंस में दिये। आज इंदौर में संभागीय कलेक्टर कान्फ्रेंस का आयोजन हुआ। इसमें इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह, धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, अलीराजपुर कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर, बड़वानी कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग, खरगोन कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, खंडवा कलेक्टर अनूप कुमार सिंह, बुरहानपुर कलेक्टर भव्या मित्तल, उपायुक्त सपना लोवंशी, झाबुआ जिला पंचायत सीईओ जितेंद्र सिंह चौहान सहित संभाग के समस्त राजस्व अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने राजस्व अभियान 2.0 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इंदौर जिले से एस.डी.एम. हातोद अजय भूषण शुक्ला एवं तहसीलदार सांवेर पूनम तोमर, धार जिले से एस.डी.ओ. (राजस्व) सरदारपुर मेघा पंवार एवं तहसीलदार सरदारपुर मुकेश बामनीया, झाबुआ जिले से एस.डी.एम. थांदला तरूण जैन एवं तहसीलदार, पेटलावद एच.एस. निंगवाल, खंडवा जिले से एस.डी.ओ. पुनासा शिवम प्रजापति एवं मुकेश मचार तत्कालीन तहसीलदार, सेगांव वर्तमान में सनावद, खरगोन तहसीलदार मूंदी वंदना चौहान एवं प्रभारी डिप्टी कलेक्टर एवं एस.डी. ओ. मण्डलेश्वर अनिल जैन, बडवानी जिले से (आय.ए.एस) एस.डी.ओ. सेंधवा अभिषेक सराफ एवं तहसीलदार अंजड़ बबली बर्डे, बुरहानपुर जिले से तहसीलदार खकनार प्रवीण ओहरिया एवं नायब

तहसीलदार, नावरा इगुसिंह गनावा अलीराजपुर जिले से एस.डी.एम. अलीराजपुर तपिश पाण्डे एवं तहसीलदार कठीवाडा सविता राठी को सम्मानित किया गया।

संभागायुक्त ने जिलेवार कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में एल-1 स्तर पर नॉन अटेंड प्रकरणों पर संबंधित अधिकारी पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित हो। प्रतिदिन प्रगति की मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने संभाग के दूरस्थ जिलों के क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजारों में जन सुनवाई के लिये आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश कि समस्त शासकीय चिकित्सालयों का सघन निरीक्षण किया जाये। जहां सफाई, चिकित्सकों की उपस्थिति सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराया जाये। समस्त राजस्व अधिकारी शासकीय छात्रावास एवं आश्रमों का नियमित निरीक्षक करें। बेहतर व्यवस्थाओ के क्रियान्वयन के साथ शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाये। बच्चों से व्यवस्थाओं के साथ साथ शिक्षण गुणवत्ता का फीड बेक भी लिया जाये। स्कूलों के सभी बच्चों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड तथा आभा कार्ड बनाये जाने की कार्यवाही की जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व संबंधी कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए पटवारी की ग्राम स्तर पर उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित हो। संभाग स्तर से किसी भी अधिकारी-कर्मचारी पर होने वाली दंडात्मक कार्यवाही को अनिवार्य रूप से सर्विस बुक में दर्ज किया जाए। कार्यवाही की रिपोर्ट दस्तावेज सहित आयुक्त कार्यालय में प्रस्तुत की जाये। सभी जिलों में चेरिटेबल कार्यों से जुडी संस्थाओं की नियमावली का निरीक्षण किया जाए।

संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि संभाग में सभी जिले में जहां पट्टे पर किसी को, सोसायटी, मंदिर आदि के लिए शासकीय जमीन दी गई है उसे खसरे में अनिवार्य रूप से अहस्तान्तरणीय शब्द दर्ज करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सायबर तहसील में कोई पेंडेंसी ना रहें। राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा में निपटारा किया जाए। नक्शा सुधार के कार्य को अभियान के रूप में पूर्ण करें। नक्शा तरमीम की साप्ताहिक मानिटरिंग की जाए। सभी जिले में सिविल लाइन विकसित करने के लिये प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में विस्फोटक एवं फटाका लाइसेस की जांच हो। फटाका दुकानें खुले स्थान पर, सभी सुरक्षा प्रबंधों के साथ लगे और फायर सेफ्टी के पर्याप्त प्रबंध हो। उन्होंने निर्देश कि लोक सेवा गारंटी के कार्यों प्रतिदिन मॉनिटरिंग हो, समय सीमा में कार्यवाही नहीं करने वालों पर कार्यवाही की जाए। बैठक में जिले वार सोयाबीन उपार्जन के लिये किए गए प्रबंधों एवं प्रगति की समीक्षा भी की गई।

संभागायुक्त ने सभी जिलों में नगरीय, कस्बाई, ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू लार्वा नियंत्रण के लिये जागरूकता, दवाई का स्प्रे तथा सफाई कार्य संबंधी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन समय-सीमा में हो। किसी भी प्रकरण में लेट लतीफी या कोताही बरतने वाले संबंधित अधिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर कार्यवाही सुनिश्चित हो। उन्होंने आकांशी जिलों एवं ब्लाक की प्रगति की समीक्षा भी की। बैठक में संभागायुक्त ने निर्देश दिये कि संभाग के सभी जिलों में स्कूली बच्चों के लिए मेडिकल, इंजीनियरिंग तथा विधि पाठ्यक्रमो में प्रवेश परीक्षाओं की तैयारियों की विशेष व्यवस्था की जाय। इसके लिए इच्छुक विद्यार्थियों और पढ़ाने वाले शिक्षकों का चिंहाकन कर उनके ग्रुप तैयार किये जाये। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिये कि राज्य शासन स्तर पर जिन मामले में नीतिगत संशोधन की जरूरत महसूस हो रही है संशोधन के प्रस्ताव तैयार कर संभागायुक्त कार्यालय प्रस्तुत करें।

बैठक में इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह, धार कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, अलीराजपुर कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर, बड़वानी कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग, खरगोन कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा, खंडवा कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह, बुरहानपुर कलेक्टर श्रीमती भव्या मित्तल, झाबुआ जिला पंचायत सीईओ श्री जितेंद्र सिंह चौहान जिलेवार कार्यों की प्रगति और नवाचारों की जानकारी दी। बैठक में अलग-अलग जिले एसडीएम ने किए गए कार्यों एवं नवाचारों के बारे में बताया।

शांति निकेतन स्कूल प्रबंधन के स्टाम्प शुल्क चोरी में अपराध को समर्थन और अपराधियों को संरक्षण को लेकर पुलिस महानिदेशक को नोटिस भेजा

नर्मदापुरम। अपराध को समर्थन और अपराधियों का संरक्षण वाद विवाद पत्राचार पर पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना को सीताशरण पाण्डेय ने व्यवहार न्यायिक प्रक्रिया के विरुद्ध अपराध का समर्थन और अपराधी का संरक्षण विवादित वाद को लेकर नोटिस भेजा है। श्री पाण्डेय ने नोटिस गृहिता श्री सक्सेना आईपीएस को प्रेषित नोटिस में लिखा है कि पुलिस प्रशासन के विरुद्ध आपके समक्ष की गई कार्रवाई पर जांच प्रक्रिया को वरिष्ठ एवं समतुल्य से न कराई जाकर कनिष्ठ से कराई जाना विधि सम्वत प्रक्रिया के तहत आपके द्वारा किया गया मज़ाक है वर्णित कंडिका 2 में विश्लेषण एवं व्याख्या अनुसार प्रकरण वाद विचारोपरांत सक्षम न्यायिक पटल पर विचाराधीन है आपके विवेकपूर्ण अअभिमत के कारण समस्त प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। आपका कार्य व्यवहार न्यायिक प्रक्रिया के विरुद्ध अपराध का समर्थन एवं अपराधी का संरक्षण विवादित वाद का अनुचित कारण है। श्री पाण्डेय ने इसके साथ ही नोटिस में आगे लिखा है कि अतः प्रार्थना है कि कंडिका 2 में वर्णित व्याख्या के अंतिम शब्द का अनुशरण करते हुए सकारात्मक अभिमत 15 दिवस में प्रषित करना चाहेंगे अथवा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के सामने पक्षकार बनना चाहेंगे। गौरतलब होगा कि नगर में श्रीमती ग्रेस चार्ज पत्नी के एम जॉर्ज, के एम जॉर्ज आत्मक श्री मैथ्यू जॉर्ज दोनों निवासी शांति निकेतन स्कूल परिसर सदर बाजार होशंगाबाद के विरुद्ध फर्जी रजिस्ट्री /बेनाम के आधार पर सीबीएसई कोर्स की मान्यता प्राप्त कर कूटरचित धोखाधड़ी के आधार पर संपत्ति हस्तांतरित करवाकर सीबीएसई स्कूल की मान्यता प्राप्त कर अनुचित लाभ लिया जिसमें नजूल अमला पूरी तरह सम्मिलित है इससे शासन को लाखों रुपए के स्टांप ड्यूटी चोरी होना प्रमाणित हो गया। इसकी शिकायत सीताशरण पाण्डेय ने आयुक्त नर्मदापुरम, श्रीमान पुलिस अधीक्षक होशंगाबाद सहित कोतवाली थाना होशंगाबाद को प्रामाणिक दस्तावेज प्रस्तुत कर धारा 420,467,468 एवं 34 के अन्तर्गत 120 वी के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की कोतवाली पुलिस ने मामले की एफआईआर दर्ज नहीं करते हुए शिकायत कर्ता को ज्ञान देते हुए मामला भू-राजस्व संहिता के अन्तर्गत आता बतलाकर चलता कर दिया। मामले में खुद नजूल न्यायालय ने अपने पत्र क्रमांक 1704 15/4/2022 में पुलिस अधीक्षक को अपर कलेक्टर आदेशानुसार कूटरचित दस्तावेज प्रस्तुत कर न्यायालय को गुमराह करने से आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए जाने हेतु थाना प्रभारी कोतवाली नर्मदा पुरम को निर्देशित करने का लिखा था। कार्रवाई नहीं होने पर श्री पाण्डेय ने निजी इस्तगासा दायर कर खलबली मचा दी। मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग मंत्रालय अवर सचिव अन्नू भलावी ने पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश शासन को पत्र क्रमांक 2295/2217975/2024/बी-2/दो भोपाल दिनांक 14/8/2024 में निजी इस्तगासा प्रस्तुति पर CRPC 1973 की धारा 197 के तहत् अनुमति हेतु आवेदन पत्र के संदर्भ में लिखते हुए अपना अभिमत विभाग को प्रस्तुत करने को लिखा था।

लूटो सुख फिर नहीं मिलेंगे, बचपन की मनमानी के विख्यात बुन्देली लोकगीत राजेन्द्र सहारिया

हीरालाल गोलानी सोहागपुर। मालवीय पैलेस परिसर में बीएससी दुर्गोत्सव समिति के तत्वावधान में देर रात तक चलने वाले कवि सम्मेलन में देशभक्ति, मणिपुर, सामाजिक विखंडन एवं नेताओं पर कटाक्षों पर स्थानीय एवं आमंत्रित कवियों ने श्रोताओं की तालियां बटोरीं। उल्लेखनीय है कि जहां एक ओर आमंत्रित कवियों ने वाह वाह लूटीं। वहीं स्थानीय कवियों ने भी पहली बार अपनी उत्कृष्ट रचानाओं की प्रस्तुति ने यह अहसास करा दिया कि चिरकाल से भले ही किंवदंती है कि पढ़े न लिखें सोहागपुर रहते हैं लेकिन हैं बुद्धिमान। इसी कारण संचालन कर रहे दीपक साहू सरस बैतूल ने बार बार स्थानीय कवियों पर फूल बरसाए। विख्यात बुन्देली कवि

राजेंद्र सहारिया ने सुनाया अपनौ पेट खूब भर जाय अब और का,दुनिया फिर चूल्हे में जाय अब और का, पुनः आपने सुनाया डिगडिग डिगडिग दानी के,डिगडिग डिगडिग दानी के,लूटो सुख फिर नहीं मिलेंगे बचपन की मनमानी के।हरीश पांडे पिपरिया ने 'राम मेरे कब आओगे' भक्तिगीत गाया। प्रियंका मिश्रा विजय राघवगढ़ ने 'योग्य कितने भी विदुर ,संजय, राज्य धृतराष्ट्र ही चलाते हैं' मुक्तक पढ़कर श्रोताओं को खड़े होकर ताली बजाने पर विवश कर दिया। सौरभ यादव सूर्य नर्मदापुरम् ने राष्ट्रवाद की रचना प्रस्तुत की। संचालन कर रहे कवि दीपक साहू सरस बैतूल ने धारा 370 हटाए जाने का चित्रण करते रचना पढ़ी। कवि सम्मेलन आयोजक अमित बिल्लौरे ने पुलिस सेवा पर 'खड़ा हुआ हूं सुलगी राहों की रखवाली पर, मां तुझसे न मिल पाऊं इस बार दिवाली पर' मर्म गीत गाया। सौरभ सोनी ने सुनाया खुद से खुद का अनुबंध जरूरी है,खुद पर कुछ तो प्रतिबंध जरूरी है। आपने अपनी दूसरी रचना में विवाह एवं विवाह उपरांत पर कहा मैं क्रिकेट का तेंदुलकर ,फिल्म जगत का बच्चन था ,इंच इंच में नापा था सीना पूरा छप्पन था। वहीं अपनी तृतीय रचना में कहा कि वीणा के तार टूट गए भाषा अपशब्दों का पर्याय हो गई ,राम-राम के बदले सभ्यता अब हाय हो गई।प्रबुद्ध दुबे ने चिर-परिचित अंदाज में व्यंग्यात्मक नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'अगले जन्म में भी गरीब ही बना देना, पर नेता ना बनाना' रचना पर जमकर तालियां बटोरीं। आपने अपनी दूसरी रचना में व्यंग करते हुए कहा कुकर एवं मनुष्य को लेकर सुनाया हमारी संस्कृति और विरासत पर आदमी के हमले जारी हैं ,विलुप्त होते हमारे गुणों पर अतिक्रमण भारी है। इसके पूर्व आयोजनकर्ता एवं बीएससी स्टुडेंट पेनल के सदस्यों ने कवियों का शाल-श्रीफल से सम्मानित किया। वहीं बैतूल के दीपक साहू सरस ने शानदार संचालन किया। इस अवसर पर ज्ञानी सुरजीतसिंह, शंभू दरबार के प्रकाश मुद्गल,कांग्रेस नेता पुष्पराजसिंह पटैल, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, कृष्णा पालीवाल, वरिष्ठ वकील जेपी माहेश्वरी,डॉ सोमेश सिटोके, वकील मंगलसिंह रघुवंशी नवनीत चौधरी,हसीब खान, इरफान खान, रीतेशसिंह राजपूत , मुकेश मालवीय , आलोक जायसवाल, राकेश चौधरी,बीएससी स्टुडेंट पेनल एवं मधुर मिलन दशहरा महोत्सव समिति के पदाधिकारी के अलावा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के पूर्व मंच पर विराजित मां दुर्गा ज्योति की पूजन अर्चना की गई।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सुबह सवेरे सोहागपुर। क्षेत्र में अतिवृष्टि से अपरिपक्व अवस्था में धान की फसल खराब हो गई है। इससे क्षेत्र के किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। इसी संदर्भ को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों ने अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन को भारतीय किसान यूनियन के युवा जिलाध्यक्ष कृष्णकांत सिंह ठाकुर के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में मांग की गई है कि आर बी सी की धारा 6,,4 के तहत किसानों को 30 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से राहत राशि दी जाए। इसके साथ संबंधित फसल बीमा कंपनी से सर्वे कराकर तहसील स्तर पर किसानों को फसल बीमा लाभ

दिलाया जाए।इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन युवा जिलाध्यक्ष कृष्णकांत सिंह ठाकुर भटगांव ने कहा कि सोहागपुर तहसील के अंतगर्त आने वाले अधिकांश रकीबों में लगभग 80 प्रतिशत धान की फसल को नुकसान पहुंचा है ।अभी धान में ठीक से दाना भी नहीं बना था। कि अनावश्यक बारिश के कारण धान जमीन गिर के साथ खेतों में पानी भर जाने से अत्यधिक नुकसान हुआ है। आपने अंत में कहा कि हमारी मांग नहीं मानी गई । तो ऐसी स्थिति में जल्द ही भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले आंदोलन धरना-प्रदर्शन करने के लिये मजबूर होंगे। ज्ञापन सौंपने के अवसर पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के युवा जिलाध्यक्ष कृष्णकांतसिंह ठाकुर भटगांव, जिला उपाध्यक्ष भागवतसिंह पटेल, जिला जनसंपर्क प्रभारी शुभम पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष राहुल पटेल, प्रधुम ठाकुर, मनोज पटेल, रोहित पटेल, मेहरबानसिंह पटेल आदि किसान उपस्थित थे।

भंडारे की प्रसादी खाने से महिला की मौत, 53 बीमार

5 की हालत गंभीर; बचा हुआ भोजन घर लेकर आए, एक दिन बाद खाया

भिंड (नप्र)। भिंड में भंडारे की प्रसादी खाने के बाद एक महिला की मौत हो गई। 53 लोग बीमार हैं। इनमें पांच की हालत गंभीर है, जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। 48 लोगों को छुट्टी दे दी गई है। डॉक्टर का कहना है कि सभी लोगों को फूड पॉइजनिंग हो गई हैं।

दरअसल, अटेर के क्यारीपुरा में 13 अक्टूबर को भंडारे का आयोजन किया गया था। कई लोग भंडारे का भोजन घर ले गए थे। एक दिन बाद सोमवार को बासा खाना खा लिया, जिसके बाद तबीयत बिगड़ने लगी। सभी को सरकारी अस्पताल और निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मंगलवार को 55 वर्षीय सुनीता भदौरिया की मौत हो गई।

अस्पताल पहुंचे कलेक्टर, स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव भेजी: मंगलवार सुबह भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मरीजों से बातचीत की। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम क्यारीपुरा गांव के लिए भेजी गई। यह टीम गांव में पहुंचकर भंडारे के भोजन के सैंपल लेगी। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव का कहना है कि उपचार दल रवाना कर दिया है।

पी15

भोपाल में नेता ने महिला अफसर को गालियां दीं

नाला बंद कराने पहुंची थीं एसडीओ; धमकाया- निकल जाओ, अच्छा नहीं होगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में बीजेपी नेता ने जल संसाधन विभाग की महिला एसडीओ को धमकाते हुए गालियां दीं। कहा, 'यहां से निकल जाओ, वरना अच्छा नहीं होगा।'

एसडीओ और उनकी टीम डैम से निकले नाले को बंद कराने पहुंची थी। बीजेपी नेता ने जेसीबी से चाबी निकाल ली, इसके बाद टीम को लौट जाने के लिए कहा। डरी-सहमीं एसडीओ जैसे-तैसे मौके से निकलीं और थाने पहुंचीं। इसके बाद केस दर्ज कराया।

बीजेपी नेता पाटीदार के विरुद्ध पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। मामला मंगलवार दोपहर पौने 4 बजे का है। कटारा थाना पुलिस ने शाम को केस दर्ज किया। एसडीओ और उनकी टीम को धमकाने और गाली-गलौज करते हुए बीजेपी नेता पाटीदार का वीडियो भी सामने आया है। वे पिछली नगर निगम परिषद में वार्ड-85 से पार्षद थे। फिलहाल पार्टी का कोई पद नहीं है। एसडीओ और उनकी टीम डैम से निकले नाले को बंद करवाने पहुंची थीं।

अफसर बोलीं- ऐसा नहीं कर सकते, फिर भी धमकाया

कलियासोत डैम कार्य उप संभाग नंबर-1 की एसडीओ रव्यनीता एन. जैन ने पूर्व पार्षद कामता प्रसाद पाटीदार के विरुद्ध केस दर्ज कराया। उन्होंने बताया, कलियासोत डैम से रापड़िया की तरफ नहर है। इसमें अवैध तरीके से नाला है। इसे बंद करने गए थे, क्योंकि इसकी शिकायत कई किसानों ने सीएम हेल्पलाइन में की थी और यह लेवल-4 तक पहुंच गई थी। बारिश की वजह से इसे बंद नहीं कर सके थे।

मंगलवार को नहर की सफाई के दौरान अतिक्रमण हटाया और अवैध नाले को बंद करा रहे थे, तभी कामता पाटीदार मौके पर आए। उन्होंने जेसीबी के सामने ही अपनी कार खड़ी कर दी। इसके बाद जेसीबी की चाबी निकालकर ड्राइवर राकेश को भगा दिया। विभाग के कर्मचारी प्रकाश साहू और बृजवासी तिवारी से भी अभद्रता की। जब मैंने कामता पाटीदार से ऐसा करने से मना किया, तो मुझे भी गालियां देते हुए अभद्रता की।

8 साल पुरानी शिकायत- एसडीओ ने बताया, नाले के संबंध में 2016 से शिकायत पेंडिंग है। कुछ समय पहले भी क्षेत्र के किसानों ने नाले को बंद करने की शिकायत की थी, क्योंकि नहर चलने के दौरान पानी उनके खेतों में जाकर फसलें बर्बाद कर देता है। इसी नाले को बंद कराना पाटीदार को नागवार गुजरा। नाले का पानी उनके खेत में जाता है। जैन ने कहा कि पाटीदार ने टीम को झूठे घूसखोरी के केस में फंसाने की भी धमकी दी।

मातृ-शक्ति का योगदान भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने में करेगा सहयोग : मंत्री श्री पटेल

राष्ट्रीय महिला किसान दिवस पर भोपाल हाट में कार्यक्रम में की सहभागिता

भोपाल (नप्र)। मातृ-शक्ति का योगदान ही भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने में सहयोग करेगा। यह बात पंचायत, ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने भोपाल हाट में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी किसान परिवार से हैं और किसानी में आने वाली

परेशानियों से परिचित हैं। महिला सशक्तिकरण के बिना समाज के सर्वांगीण विकास नहीं किया जा सकता। हमें आदिवासी क्षेत्रों से सीख लेते हुए महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम करना चाहिए।

श्री पटेल ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बधाई देता हूँ की उन्होंने श्रीअन्न को प्रचारित कर दुनिया भर में भारत की जनजातीय परंपरा से उत्पन्न कृषि उत्पाद को पहचान दिलाई। श्रीअन्न की फसलें कम से कम पानी में पैदा होती हैं तथा उनसे किसी प्रकार के रोग भी पैदा नहीं होते है। प्रदेश की मातृ-शक्ति उन्ही परम्पराओं को फिर से जीवित कर रही है। आजीविका समूह की महिलायें का योगदान हमें दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने में सहयोग करेगी।

8 महीने के बाद खुलेगी भोपाल डीआरएम तिराहे की सड़क

पुलिस के 'ओके' का इंतजार; आज डायवर्सन का आखिरी दिन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के डीआरएम तिराहे की सड़क 8 महीने बाद एक-दो दिन में खुल सकती है। 200 टन कंपोजिट स्टील ब्रिज की लॉन्चिंग के बाद सड़क का जीर्णोद्धार और नाले का निर्माण किया गया। मेट्रो के अफसरों के मुताबिक- पुलिस के 'ओके' का इंतजार है। दरअसल, पुलिस अफसर रूट का निरीक्षण करेंगे। उनकी अनुमति मिलते ही रास्ता खोल देंगे।

रास्ता खुलने से करीब 5 लाख आबादी को आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी। यहां से होशंगाबाद रोड की कॉलोनी, अवधपुरी, बीडीए, एम्स, अलकापुरी, साकेतनगर, अमरावतखुर्द समेत सैकड़ों कॉलोनी जुड़ी हैं। यहां के लोग इसी सड़क का उपयोग करते थे, लेकिन मार्च में मेट्रो स्टील ब्रिज के निर्माण के चलते यह बंद कर दी गई थी। तभी से लोगों की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं।

सड़क को व्यवस्थित किया, स्ट्रक्चर भी हटाया- मेट्रो कॉरपोरेशन को 15 अक्टूबर तक डायवर्सन मिला है। यानी, डायवर्सन का मंगलवार को आखिरी दिन है। इसलिए सोमवार को सड़क की रिपेयरिंग, नाला निर्माण और लोहे के स्ट्रक्चर को हटाने का काम तेजी से चलता रहा। कुछ जगहों से बैरिकेड्स भी हटाए गए। वहीं, पुलिस अफसरों से भी संपर्क किया गया। ताकि, वे निरीक्षण करके रास्ता खोलने की परमिशन दे दें।

8 महीने से 7 किमी तक का ज्यादा फेरा- डीआरएम तिराहे की सड़क आईएसबीटी से वीर सावरकर ब्रिज के नीचे से होते हुए होशंगाबाद रोड को जोड़ती है। यही रास्ता मार्च यानी, 8 महीने से बंद है। इससे ट्रैफिक का पूरा दबाव सावरकर सेतु से लेकर बोर्ड ऑफिस चौराहे तक बढ़ गया।

बेतरतीब ट्रैफिक प्लान के कारण साकेत नगर और शक्ति नगर की अंदरूनी सड़कों पर भी ट्रैफिक का भार है, क्योंकि आरआरएल तिराहे और आईएसबीटी की तरफ से आने-जाने वाला 30 प्रतिशत ट्रैफिक इन्हीं अंदरुनी सड़कों से होकर आता-जाता है। इससे आईएसबीटी से होशंगाबाद रोड की ओर जाने वाले लोगों को 5 से 7 किलो मीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है।

डायवर्सन की वजह से एक बच्चे की मौत भी हो चुकी है। विश्वकर्मा नगर में एक 10 साल के दीपक सिंह की सड़क हादसे में मौत हो गई थी।

हबीबगंज नाके के पास किराना, एक्हरफ्रेश समेत अन्य दुकानें भी आठ महीने से बंद है। इससे कारोबार चौपट हो गया है।

ऊपर से मेट्रो, नीचे से गुजरेंगी गाड़ियां

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास हबीबगंज नाके से डीआरएम स्टेशन के बीच 2 स्टील ब्रिज से मेट्रो गुजरेगी। इसके लिए पिछले 8 महीने से काम चल रहा है। 4 सितंबर को 3 घंटे के अंदर रेलवे ट्रैक पर पिलर के ऊपर 65 मीटर लंबा और 400 टन वजनी ब्रिज का स्ट्रक्चर रख दिया गया था। वहीं, तिराहे के 200 टन वजनी और 48 मीटर लंबे कंपोजिट ब्रिज को भी रख दिया है। इसके नीचे से गाड़ियां और ऊपर से मेट्रो ट्रेन गुजरेगी।

झारखंड-महाराष्ट्र चुनाव प्रचार की कमान संभाल सकते हैं कमलनाथ?

राहुल गांधी ने मुलाकात की, साथ लंच किया; 42 दिन में दोनों नेता दूसरी बार मिले

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की दो विधानसभा सीट पर उपचुनाव और महाराष्ट्र - झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान आज हो गया है। चुनाव की तारीखों की घोषणा से ठीक पहले नई दिल्ली में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई। राहुल गांधी ने कमलनाथ के साथ लंच भी किया।

कमलनाथ की राहुल गांधी से 42 दिन में यह दूसरी मुलाकात है। इससे पहले 3 सितंबर को राहुल गांधी के निवास पर दिल्ली में कमलनाथ ने उनसे मुलाकात की थी।

आज हुई मुलाकात के बाद यह माना जा रहा है कि महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव में कमलनाथ प्रचार की कमान संभाल सकते हैं। हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव के स्टार प्रचारकों में मध्यप्रदेश से सिर्फ भांडेर विधायक फूल सिंह बरैया को ही स्टार प्रचारक बनाया गया था। जम्मू-कश्मीर के स्टार प्रचारकों में एमपी के किसी नेता को जगह नहीं मिल पाई थी।

महाराष्ट्र में बनाए जा सकते हैं स्टार कैम्पेनर- कमलनाथ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में स्टार प्रचारक बनाए जा सकते हैं। राहुल गांधी से हुई मुलाकात के बाद वे बुधनी और विजयपुर उपचुनाव में भी प्रचार के लिए जा सकते हैं। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद कमलनाथ लोकसभा चुनाव में सिर्फ छिंदवाड़ा तक ही सीमित रहे थे। छिंदवाड़ा में मतदान के बाद वे बैतूल और नर्मदापुरम लोकसभा सीट पर एक-एक सभाएं लेने ही पहुंचे थे। लोकसभा चुनाव के बाद वे ज्यादातर समय छिंदवाड़ा के दौरे पर ही आते हैं।

प्रदेश से मानसून विदा; स्ट्रॉन्ग सिस्टम करा रहा बारिश

इंदौर, उज्जैन समेत 13 जिलों में असर; धार में तेज बरसात, पीथमपुर में गिरे ओले

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश समेत पूरे देश से मंगलवार को मानसून विदा हो गया। मौसम विभाग ने मानसून की विदाई की घोषणा भी कर दी है। मध्यप्रदेश के 6 जिलों- बुरहानपुर, धार, खंडवा, मंडला, छिंदवाड़ा और बैतूल को छोड़कर बाकी जिलों से मानसून पहले ही लौट चुका था। लेकिन, बारिश कराने वाले सिस्टम की एक्टिविटी से एमपी तरबतर हो गया। आज इंदौर, उज्जैन समेत 13 जिलों में इसी सिस्टम का असर है।

धार में मंगलवार को तेज बरसात हुई। पीथमपुर में एक घंटे तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। ओले भी गिरे। एक घंटे की बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या इ. सुरेंद्रन ने बताया कि लो प्रेशर एरिया डिप्रेशन के रूप में बदलकर आगे बढ़ गया है। इसकी वजह से अगले 24 घंटे में बारिश,

गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। 16 अक्टूबर से मौसम खुल जाएगा।

अगले 24 घंटे में इन जिलों में बदला रहेगा मौसम- मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे में इंदौर, उज्जैन, रतलाम, खरगोन, सीहोर, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट और अनूपपुर जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रह सकती है। भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य जिलों में मौसम साफ रहेगा।

पुराने मेडिकल कॉलेज परिसर में खून से लथपथ फव्वारे, रात भर आती रहीं भयानक चीखें

बिल्डिंग में बनाई भूतिया आकृतियां

इंदौर (नप्र)। इंदौर में पुराने मेडिकल कॉलेज के परिसर में रविवार रात कुछ ऐसा भयावह हुआ, जिसकी गूंज रातभर चीखों के रूप में सुनाई देती रही। इस पुराने मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग को किंग एडवर्ड मेडिकल स्कूल नाम से भी जाना जाता है। यह कई वर्षों से जर्जर है।

रविवार रात इसे कब्रिस्तान में तब्दील कर दिया गया। यहां भूतिया आकृतियां, खून से लथपथ फव्वारे और भयानक चीखें रात के अंधेरे में गूंज उठीं। हुआ यूं कि स्थानीय युवाओं के एक समूह ने रविवार को इस ऐतिहासिक

धरोहर बिल्डिंग केईएम में हैलोवीन अर्थात् भूतिया पार्टी की। हैलोवीन उत्सव दो सप्ताह बाद है, लेकिन इन युवाओं ने ऐतिहासिक धरोहर में तमाम मानदंडों की अनदेखी करते हुए अपने डरावने उत्सव का मंचन किया। अब इससे एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों में खलबली मच गई है।

खून का फव्वारा, कंकाल देख डरे अधिकारी

युवाओं ने धरोहर के बाहर ही कब्रिस्तान बनाया। साथ ही दीवारों पर ओ स्त्री कल आना, दानव का कक्ष, आरआईपी (रेस्ट इन पीस) और कई अन्य डरावनी लाइन लिखीं। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि हम ऐसे कब्रिस्तान, खून से लथपथ फव्वारा, इमारत पर लटकते कंकाल देखकर डर गए। शुरुआत में ऐसा लगा जैसे काला जादू किया गया हो या कोई फिल्म शूट की गई होगी। चूंकि यह इमारत पहले से भुतहा बिल्डिंग के रूप में मशहूर है, इसलिए यह डर और बढ़ गया।

जिम्मेदारों को जानकारी नहीं

पुराना मेडिकल स्कूल भवन एमजीएम मेडिकल कॉलेज की संपत्ति है। आयोजक ने स्मारक को देखने के लिए परिसर की इमारत में केवल 20 लोगों के आने की अनौपचारिक अनुमति ली थी।

सूत्रों के मुताबिक, जैन समुदाय से जुड़े एक समूह ने इसके लिए अनुमति मांगी थी और पिछले 10 दिनों से इस पार्टी की तैयारी कर रहा था।

मुझे जानकारी नहीं- डीन

मुझे इस पार्टी की जानकारी नहीं है, समूह ने केवल इमारत का दौरा करने की अनुमति मांगी थी।

- डीन डॉ. संजय दीक्षित

पार्टी की अनुमति के लिए डाला था दबाव

जानकारी के अनुसार, राजनीतिक हस्तियों समेत विभिन्न प्रमुख लोगों ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन पर पार्टी के आयोजन की अनुमति देने के लिए दबाव डाला था। हैरानी की बात यह है कि पार्टी में उपस्थित लोगों को डीन के घर के लान में खाना परोसा गया। पार्टी के दौरान युवाओं ने परिसर में खड़ी मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब का शीशा भी तोड़ दिया।

ग्वालियर में मां-बेटी की हत्या

फ्लैट के बेडरूम में मिली लाशें, तकिया से मुंह दबाने की आशंका; सीसीटीवी में दिखे दो संदेही

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में फ्लैट में मां-बेटी की हत्या कर दी गई। दोनों के शव मंगलवार सुबह 11 बजे बेडरूम में मिले। बेडरूम का सामान बिखरा पड़ा है। पुलिस ने गला घोंटकर या तकिए से मुंह दबाकर हत्या की आशंका जताई है।

72 साल की इंदु पुरी और उनकी 57 साल की बेटी रीना भल्ला गार्डन होम्स सिटी अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 322 में रहती थीं। मंगलवार को हाउस मेड वहां पहुंची। दरवाजा खुला हुआ था। अंदर का मंजर देखकर उसकी चीख निकल गई। मां का शव बेड पर और बेटी का शव जमीन पर पड़ा था। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

आईजी अरविंद सक्सेना, एसपी धर्मवीर सिंह, फोरेंसिक एक्सपर्ट अखिलेश भार्गव मौके पर पहुंचे और जांच की शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तो दो युवक सीढ़ियों से उतरते नजर आ रहे हैं। पुलिस बाकी स्पॉट पर भी सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है, ताकि कोई सुराग हाथ लग सके।

पहले बेटी फिर मां की हत्या की- पुलिस ने बताया कि सोसाइटी के बाहर इनकी किराना दुकान है।

रविवार शाम 4 बजे दुकान बंद करने के बाद वह घर पहुंच गई थीं। इसके बाद हत्या करने वाले अंदर पहुंचे। घटनास्थल देखकर ऐसा लगता है कि हमलावरों ने सबसे पहले रीना पर हमला किया। बचने के लिए उसने संघर्ष किया।

इस दौरान वह बेड से नीचे गिरी और माथे पर चोट लगी। यहां बदमाशों ने गला दबाकर या तकिए से मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद बेड पर यह सब देख रही बुजुर्ग मां इंदु पुरी की हत्या की गई। हत्या के बाद बदमाशों ने घर में रखे गहनों और अन्य सामान को खंगाला है।

अक्सर दरवाजा खुला रहता था- रीना सोसाइटी के बाहर अपनी किराना शॉप में शाम को 4 से 5 बजे तक रहती थीं, इसके बाद घर पर समय देती थीं। ग्रॉसरी शॉप पर तीन से चार लड़के काम करते हैं, जो टाउनशिप और आसपास की मल्टी में होम डिलीवरी करते हैं। रविवार शाम करीब 4 बजे रीना अपने घर पहुंच गई थीं, लेकिन उसके बाद किसी ने उनके घर कोई हलचल नहीं सुनी। मंगलवार सुबह जब उनकी मेड काम के लिए पहुंची तो दरवाजा खुला हुआ था। वह घर से भी ग्रॉसरी की होम डिलीवरी देती थीं। इसलिए अक्सर दरवाजा खुला रहता था। जब मेड अंदर पहुंची तो मंजर दिल दहला देने वाला था। लाशें पड़ी थीं और बेडरूम में सामान बिखरा हुआ था।

फोरेंसिक एक्सपर्ट की जांच में हत्या का पता चला- विश्वविद्यालय थाना पुलिस और फोरेंसिक एक्सपर्ट अखिलेश भार्गव स्पॉट पर पहुंचे। पहले मामला खुदकुशी का लग रहा था, लेकिन जब फोरेंसिक एक्सपर्ट ने जांच की तो मामला हत्या का सामने आया। दोनों महिलाओं की मौत दम घुटने से हुई है। महिलाएं उम्रदराज थीं लेकिन वो जितना संघर्ष कर सकती थीं उससे ज्यादा किया।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे युवक कौन?

पुलिस के मुताबिक बेडरूम में बिखरे पड़े सामान को देखकर लगता है कि मां-बेटी ने हत्यारों से संघर्ष किया था। उनकी मौत सांस रुकने से हुई है। ये हत्या और लूट की घटना लग रही है। पुलिस ने उनके ब्लॉक के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तो दो युवक सीढ़ियों से उतरते हुए नजर आए। ये दो युवक भी पुलिस के टारगेट पर हैं। पुलिस पता कर रही है कि युवक कौन हैं। वे इमारत के रहने वाले हैं या फिर वारदात में शामिल हैं।

ग्रॉसरी शॉप चलाती थीं, पैसे की कमी नहीं थी

पुलिस के मुताबिक रीना भल्ला का हंसता-खेलता परिवार था। किसी चीज की कोई कमी नहीं थी। गार्डन होम्स के फेज दो में डेली नीड्स के नाम से इनकी शॉप है। इस दुकान में दोनों व्यस्त रहती थीं। सोसाइटी के ज्यादातर लोग रोजमर्रा की जरूरत का सामान इनकी दुकान से ही खरीदते थे।

घटना का पता चलते ही पहुंची दूसरी बेटी

इंदु पुरी की दूसरी बेटी डॉली पास ही रहती है। घटना का पता चलते वह स्पॉट पर पहुंची। वहीं, रीना की एक बेटी है, जिसकी शादी हो चुकी है। वह अभी दिल्ली में रहती है। उसने कुछ समय पहले ही जुड़वां बच्चों को जन्म दिया है। रीना कुछ समय बेटी के पास दिल्ली रहने के बाद ग्वालियर लौटी थी।